RNI. MPHIN/2016/68439

"अपनी परिस्थितियों पर विचार न करनेवाला व्यक्ति मूर्ख होता है।"
अमृतलाल नागर

दैनिक
मेल पॉवर

पेज 4

वर्ष- 10 | अंक-81 | भोपाल, मंगलवार 19 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

आज से भारत की यात्रा पर हैं चीनी विदेश मंत्री

पीएम मोदी थ्री टी पर होगी बातचीत

नई दिल्ली। चीनी विदेश मंत्री वांग यी सोमवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर होंगे और अपनी यात्रा के दौरान वो मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। भारत-चीन के बीच सामान्य होते संबंधों के बीच पीएम से चीनी विदेश मंत्री की मुलाकात होगी। किसी दूसरे देश के विदेश मंत्री का भारत दौरे के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का अवसर मिलना बहुत कम होता है और ये खास संदेश है। वैसे तो वांग यी की भारत यात्रा दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के मकसद हो रही है, लेकिन इसके पीछे की कहानी कुछ और है। दरअसल, भारत और चीन इसके जरिए डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश देने की तैयारी भी कर रहे हैं। 3टी (ट्रेड, टैरिफ और ट्रंप) के जरिए दोनों मुल्क अमेरिका को यह बताएंगे कि वह किसी दबाव में नहीं झुकने वाले। चीनी विदेश मंत्री वांग यी अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ भारत-चीन विशेष

प्रतिनिधि स्तर की सीमा वार्ता के 24वें दौर में हिस्सा लेंगे। ऐसी पिछली वार्ता दिसंबर 2024 में बीजिंग में हुई थी। वांग यी 18 अगस्त को विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद चीनी विदेश मंत्री की ये दूसरी भारत यात्रा है, इससे पहले वो मार्च 2022 में भारत आए थे। पिछले साल यानि अक्टूबर से दोनों देशों के बीच संबंधों को पटरी पर लाने की प्रक्रिया के तहत कई वर्षों के अंतराल के बाद इस वर्ष पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा भी शुरू हुई। इसके अलावा भारत ने चीनी पर्यटकों को वीजा देने की प्रक्रिया की शुरूआत भी कर दी है। जल्द ही दोनों देशों के बीच सीधी हवाई यात्रा की भी शुरूआत होगी जो कि कोरोना काल से बंद पड़ी है। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण (एलएसी) विवाद के बाद यूं तो बाली में जी-20 सम्मेलन में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान हैंडेशक हुआ था, लेकिन पिछले वर्ष कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के बीच मुलाकात और द्विपक्षीय बातचीत शुरू हुई थी। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठकों में भाग लेने इसी साल चीन गए थे। इसी महीने 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी चीन जाएंगे।

मोदी जी ने तोड़े सभी प्रधान मंत्रियों के रिकॉर्ड

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से सबसे ज्यादा लंबे समय तक भाषण देने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इन्दिरा गांधी के रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड दिया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 17 बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने 400 मिनट का संबोधन किया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 16 बार लाल किले की प्राचीर से संबोधन दिया है। उन्होंने 503 मिनट का संबोधन किया। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नंबर आता है। इन्होंने 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित किया। इन्होंने अभी तक 1030 मिनट संबोधन देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की तुलना में लगभग डबल से ज्यादा है। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का नंबर आता है। जिन्होंने 10 बार लाल किले की प्राचीर से संबोधित किया। इन्होंने केवल 407 मिनट का संबोधन दिया। उसके बाद पीवी नरसिंह राव का नाम आता है। इन्होंने पांच बार लाल किले की प्राचीर से संबोधन किया। इन्होंने 259 मिनट बोला। राजीव गांधी ने भी पांच बार लाल किले की प्राचीर से संबोधन दिया। इन्होंने कुल 233 मिनट का भाषण दिया। अटल बिहारी वाजपेई छह बार लाल किले की प्राचीर से बोले, इन्होंने कुल 177 मिनट का संबोधन छह बार में दिया। स्वतंत्रता से लेकर अभी तक जितने भी प्रधानमंत्री बने। उसमें सबसे ज्यादा बोलने वालों प्रधानमंत्री मे नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड बनाया है। मोदी का राष्ट्र को संबोधित करने का रिकार्ड शायद ही कोई तोड़ पाए।

न्यूज. ब्रीफ

महिला दारोगा रिचा की दर्दनाक मौत पर क्यों चुप्पी साधे हुए हैं डॉग लवर्स

गाजियाबाद। डॉग लवर्स यानी कि कुत्तों से प्यार करने वाले इंसान। ये बहुत ही अजीब प्राणी होते हैं, इन्हें बस कुत्तों से प्यार होता है। ये मुर्गा, बकरी, भैंस को भोजन मानते हैं, बाकी कुत्ते को प्राणी मानते हैं, इतना ही नहीं कुछ लोग बच्चे ना पैदा करके कुत्ते को गोद ले लेते है। इन लाखों-करोड़ों डॉग लवर्स की दिल पर तब छुरियां चल गई, जब सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों को गली-सड़क से हटाने का निर्देश दे दिया। इन डॉग लवर्स को कुत्ते का चाटना, पूंछ हिलाना, दौड़कर कूदना खूब भाता है। लेकिन ये वे मंजर भूल जाते हैं, जब छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर 15-20 टांकों का दाग होता है। ये वहीं कुत्ता प्रेमी हैं, जो अपनी सोसाइटी की लिफ्ट में नौकरों को आने पर मना करते हैं और कुत्ते को चढ़ाने को लेकर मारपीट पर उतारु होते हैं।

इस्तेमाल हो चुके खाने के तेल से उड़ेगा विमान

नई दिल्ली। घरों और होटलों पर आमतौर पर लोग खराब या इस्तेमाल किया हुआ खाने का तेल फेंक देते हैं। लेकिन अब इसी तेल का इस्तेमाल हवाई जहाज उड़ाने में किया जाएगा। देश की सबसे बड़ी रिफाइनिंग और ईंधन विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) को इसकी अनुमति मिली है। हरियाणा के पानीपत स्थित रिफाइनरी को सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) बनाने के लिए इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन मिला है। इस तरह का सर्टिफिकेशन पाने वाली आईओसी भारत की पहली कंपनी बनी है। यह मान्यता आईएससीसी सीओआरएसआईए (आईसीएओ) की ओर से दी गई है। आईओसी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने बताया कि कंपनी को उम्मीद है कि पानीपत रिफाइनरी से इस साल दिसंबर तक खाने के इस्तेमाल किए हुए तेल से विमान का ईंधन बनना शुरू करेगा। इंडियन ऑयल का अनुमान है कि साल के अंत तक इस्तेमाल किए गए तेल से 35,000 टन प्रतिवर्ष विमान ईंधन बनाने की क्षमता विकसित होगी।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्वागत करने सजने लगा लखनऊ

लखनऊ। यूपी के लखनऊ में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के स्वागत की तैयारी हो रही हैं। शुभांशु जिन्होंने हाल ही में अंतरिक्ष मिशन के जरिए भारत का नाम दुनिया में रोशन किया है। इस वजह से उनके सम्मान में नगर निगम ने कई अहम फैसले लिए हैं। महापौर सुषमा खरकवाल ने बताया कि नगर निगम की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया है कि उनके घर तक जाने वाली सड़क और शहर का एक पार्क उनके नाम पर रखा जाएगा। यह कदम न केवल उन्हें सम्मान देने के लिए है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से भी उठाया गया है। महापौर ने कहा कि शुभांशु शुक्ला लखनऊ शहर में पैदा हुए हैं वह हमारे शहर का गौरव है, हम भाग्यशाली हैं कि हमारे शहर का एक बच्चा विश्वपटल पर अपना नाम रोशन कर चुका है। उन्होंने कहा है कि आज पूरी दुनिया शुभाशु शुक्ला को जानती है। महापौर ने कहा कि शुभांशु उनके घर की रोड को उनके नाम से कर दिया है और सदन में बधाई देकर सबसे पहले इस काम को किया जाएगा।

श्री कृष्ण भक्ति में सराबोर हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

जन्माष्टमी पर गाए भजन और फोड़ी दही हांडी

भोपाल। देशभर में जन्माष्टमी पूरे धूम-धाम से मनाई गई। मथुरा के कृष्ण जन्मस्थान मंदिर समेत देश के मंदिरों में आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरुप लड्डू गोपाल अवतरित हुए। जन्माष्टमी के मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान कृष्ण भक्ति में लीन दिखे। शिवराज सिंह चौहान भोपाल के एक मंदिर में कृष्ण भक्ति में पूरी तरह सराबोर नजर आए।

सभी को दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

जन्माष्टमी की बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'माखन की महक, बांसुरी की तान, हर दिल में बसें नंदलाल भगवान। हमारे त्योहार जीवन को ऊर्जा और खुशियों से भर देते हैं। पालनहार भगवान श्रीकृष्ण सबके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाएं। जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं।'

भजन गाते नजर आए केंद्रीय मंत्री

कृष्ण की भक्ति में शिवराज चौहान भजन गाते हुए नजर आए। 'अच्युतं केशवं राम नारायणं, कृष्ण दामोदरं वासुदेवं हरिम।' की पंक्तियों के साथ केंद्रीय मंत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका एक वीडियो भी डाला है।

पूरा माहौल भक्तिमय

वहीं, दूसरी ओर मथुरा में भगवान कृष्ण की जन्मभूमि की छंटा निराली दिखी। इसे देखने के लिए देशभर के कृष्ण भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए लंबी कतार लगी थी। हर एक की जुबान पर हरे कृष्णा.. हरे कृष्णा का मंत्र जाप चल रहा था। कीर्तन से पूरा माहौल भक्तिमय दिखा।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को प्रदेश में होने वाले आगामी ऐतिहासिक आयोजनों के लिए

आमंत्रण दिया गया है

भोपाल। राज्य में वंदे भारत व मेट्रो कोच निर्माण की फैक्ट्री शुरू होने जा रही है। भोपाल में भी शीघ्र ही मेट्रो ट्रेन का संचालन प्रारंभ होगा। वहीं किसानों के हित में एक भव्य सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही स्वदेशी अभियान को आत्मसात करते हुए हम आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ समय में औद्योगिकीकरण का भी व्यापक अभियान सफलतापूर्वक संचालित हुआ है ।

78 साल बाद बदलेगा प्रधानमंत्री कार्यालय का पता

साउथ ब्लॉक से एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव में होगा शिफ्ट

नई दिल्ली। आजादी के 78 साल बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का पता बदलने जा रहा है। अब तक साउथ ब्लॉक से संचालित होने वाला पीएमओ अगले महीने नई दिल्ली स्थित एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव में शिफ्ट हो जाएगा। यह कदम केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, नया पीएमओ वर्तमान दफ्तर से करीब 100 मीटर की दूरी पर होगा और प्रधानमंत्री आवास के भी बेहद करीब स्थित है। एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव को विशेष रूप से आधुनिक प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसमें कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और एक अत्याधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल भी होगा।

जगह की कमी और आधुनिक सुविधाओं का अभाव

नए कार्यालय भवन की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि पुराने साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक में जगह की कमी थी और आधुनिक सुविधाओं का भी अभाव था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गृह और कार्मिक मंत्रालयों के लिए तैयार किए गए कर्तव्य भवन-3 के उद्घाटन के दौरान कहा था कि ब्रिटिश काल के बने भवनों में पर्याप्त रोशनी, वेंटिलेशन और स्पेस की कमी रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया था कि इतने लंबे समय तक गृह मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालय ने इन अपर्याप्त सुविधाओं वाली इमारतों में कैसे काम किया।

पुराने भवन बनेंगे संग्रहालय

सरकार ने यह भी घोषणा की है कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को भविष्य में ह्युग युगीन भारत संग्रहालय के रूप में विकसित किया जाएगा। इन इमारतों का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में हुआ था और स्वतंत्रता के बाद से यहीं से देश की प्रशासनिक व्यवस्था संचालित होती रही है। सूत्रों के मुताबिक, नए पीएमओ को एक नया नाम भी दिया जा सकता है। दरअसल लगातार तीसरी बार पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, पीएमओ जनता का पीएमओ होना चाहिए, यह मोदी का पीएमओ नहीं है। इस बयान के बाद संभावना जताई जा रही है कि नए कार्यालय परिसर को अधिक जनोन्मुख पहचान दी जाएगी।

एयरटेल नेटवर्क रहा ठप

देशभर में कॉल और इंटरनेट सेवाएं हुईं प्रभावित

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी एयरटेल की सेवाएं सोमवार 18 अगस्त को अचानक ठप हो गईं। इसके चलते लाखों यूजर्स को कॉल और इंटरनेट दोनों सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सेवा बाधित होने की पुष्टि की और कहा कि तकनीकी टीम समस्या को जल्द से जल्द दूर करने में जुटी है। ऑनलाइन नेटवर्क ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, शाम 4:30 बजे तक देशभर से 3,500 से ज्यादा यूजर्स ने शिकायत दर्ज कराई। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें दिल्ली-एनसीआर, जयपुर, कानपुर, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता से सामने आईं। किस प्रकार की आईं समस्याएं? जानकारी अनुसार 68 प्रतिशत यूजर्स ने कॉल न लगने या बार-बार कटने की शिकायत की। 16 प्रतिशत यूजर्स ने मोबाइल इंटरनेट के सही से न चलने की बात कही।

उपराष्ट्रपति चुनाव: पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि सार्वजनिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में राधाकृष्णन का लंबा अनुभव देश के लिए बहुत फायदेमंद होगा। पीएम मोदी ने सोमवार को सीपी राधाकृष्णन के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा,

राधाकृष्णन से मुलाकात की। उन्हें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। उनके लंबे समय तक सार्वजनिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव से हमारे देश को बहुत लाभ होगा। मैं कामना करता हूं कि वे हमेशा की तरह समर्पण और दृढ़ता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें, जो उन्होंने हमेशा दिखाया है। इससे पहले, रविवार को भी पीएम मोदी ने एक्स पर राधाकृष्णन को बधाई देते हुए उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और लोगों के लिए किए गए कार्यों की सराहना की थी।

केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को दिखाया आईना

राहुल गांधी का व्यवहार पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए वोट चोरी आरोप को बेतुका बताया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में अराजकता फैला रहे हैं। रविवार को चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता के दौरान राहुल गांधी को हलफनामा देने के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम देने पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने बिलकुल सही बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं, वहां कतई नहीं है। उन्होंने कहा कि हर काम करने की एक तय प्रक्रिया होती है। अगर किसी राजनीतिक दल को मतदाता सूची प्रकाशन और संशोधन पर आपत्ति है, तब वह आधिकारिक तौर पर उठा सकता है। लेकिन, राहुल गांधी देश में अफवाहें फैला रहे हैं। उनका आचरण न लोकतांत्रिक है और न ही संवैधानिक, बल्कि राहुल गांधी का व्यवहार पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना है।

ऑपरेशन सिंदूर से डरे पाक ने ईरानी बॉर्डर पर छिपा दिए थे वॉरशिप

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस दौरान सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। इस ऑपरेशन को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने वॉरशिप छिपा दिए थे। वे भारतीय मिसाइलों से इतना डर गए थे कि उन्हें ईरान बॉर्डर के पास शरण लेनी पड़ी थी। इसको लेकर सैटेलाइट तस्वीर भी सामने आई है। अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी मैक्सार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की एक फोटो जारी की है। इससे खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी नौसेना ने अपने युद्धपोत कराची के नौसैनिक गोदाम से हटा दिए थे और उन्हें व्यावसायिक टर्मिनलों पर शिफ्ट कर दिया था। पाक नेवी ने वॉरशिप को ग्वादर के पश्चिमी बंदरगाह में शिफ्ट कर दिया था, जो कि ईरान बॉर्डर के पास है। यहां से बॉर्डर महज 100 किलोमीटर की दूरी पर है। बता दें भारतीय सेना ने 6-7 मई की आधी रात को पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसके बाद पाक सेना ने भारतीय शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सकी। वहीं भारतीय सेना ने फिर से जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान घबरा गया और उसने नेवी के वॉरशिप को छिपा दिया था।

भारत, चीन और रुस की दोस्ती

अमेरिका को खल रही, भारत को दे दी धमकी

नई दिल्ली। भारत के रूस और चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका ने नाराजगी व्यक्त की है। हाल ही में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत को चेतावनी देकर कहा कि वे अमेरिका का रणनीतिक साझेदार बना रहना चाहता है, तब भारत को उसी तरह का व्यवहार भी करना होगा। यह बयान तब आया है जब भारत रूस से तेल आयात जारी रखे हुए है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। दरअसल अमेरिका का आरोप है कि भारत की रूस से तेल खरीद मास्को को यूक्रेन युद्ध जारी रखने के लिए मदद दे रही है। नवारो ने आरोप लगाया कि भारत एक वैश्विक क्लियरिंग हाउस के रूप में काम कर रहा है। वह रूस के प्रतिबंधित तेल को संसाधित कर-के महंगे निर्यात में बदल रहा है और इस तरह रूस को डॉलर उपलब्ध करा रहा है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत का यह कदम अमेरिका के रणनीतिक हितों के खिलाफ है। इसकारण डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इससे भारत पर अमेरिकी कुल टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालाँकि, यह भी सामने आया है कि अमेरिका ने खुद रूस के साथ 20 प्रतिशत अधिक व्यापार किया है रूस के अलावा, अमेरिका को भारत-चीन की बढ़ती नजदीकी से परेशानी है। प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले हैं। इसके अलावा, चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी सीमा विवाद पर बातचीत के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं।

एसआईआर: 18 दिन बीत चुके लेकिन अब तक पार्टियों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई

भारत निर्वाचन आयोग ने डेली बुलेटिन जारी कर बताया

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले विपक्ष की वोटर अधिकार यात्रा के बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) को लेकर सोमवार को डेली बुलेटिन जारी किया है। बुलेटिन के मुताबिक, 1 से 18 अगस्त के बीच किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। ईसीआई के अनुसार, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 1 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची पर 18 दिनों (1 दोपहर 3 बजे से 18 अगस्त दोपहर 3 बजे तक) में किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है। दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए अब केवल 14 दिन बचे हैं। इसके बाद आपत्ति नहीं दर्ज की जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया कि बीते 18 दिनों में पात्र मतदाताओं को शामिल करने और

अपात्र मतदाताओं को हटाने के लिए 45,616 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से सात दिन बाद 1,348 का निपटान किया गया है। इसके अलावा, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से 1,52,651 फॉर्म 6 (घोषणा सहित) प्राप्त हुए हैं, जिसमें बीएलए से प्राप्त छह फॉर्म शामिल हैं। ईसीआई के अनुसार, बिहार में कुल बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) 1,60,813 हैं। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए ने कोई दावा (फॉर्म 6) या आपत्ति (फॉर्म 7) दाखिल नहीं की है। चुनाव आयोग ने बताया कि नियमों के अनुसार, पात्रता दस्तावेजों की जांच के बाद दावे और आपत्तियों का निपटारा 7 दिनों से पहले नहीं हो सकता है। विशेष संक्षिप्त संशोधन आदेशों के तहत, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी मतदाता का नाम बिना जांच और उचित सुनवाई के बाद स्पष्ट आदेश के बिना नहीं हटाया जा सकता। हटाए गए मतदाताओं की सूची, जो मसौदा मतदाता सूची (01.08.2025) में शामिल नहीं हैं, संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों या जिलाधिकारियों की वेबसाइटों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ईपीआईसी सर्च मोड में उपलब्ध है।

न्यास कॉलोनी में भूमि पूजन समारोह : विकास की नई दिशा

गिरते पानी में भूमि पूजन, वार्ड की महिलाओं ने विधायक का पुष्प वर्षा से स्वागत किया

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। लगातार बदलते स्वरूप और विकास कार्यों से प्रगति की ओर अग्रसर न्यास कॉलोनी में सोमवार 18 अगस्त को भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। माननीय विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा एवं नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे के करकमलों से कुल लगभग ?39 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ हुआ। **प्रमुख विकास कार्यों में शामिल हैं-** साईं मंदिर ग्राउंड में पार्क निर्माण झ ?8 लाख, पत्रकार अरविंद शर्मा के निवास के सामने बालक पार्क एवं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण झ 15 लाख,वार्ड 14 एवं 12 में दो आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण झ 16 लाख। इस प्रकार कुल मिलाकर ?39 लाख की राशि व्यय की जाएगी। **विकास की उपलब्धियाँ-** कार्यक्रम की शुरूआत में सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि न्यास कॉलोनी वर्षों से अपेक्षा का शिकार रही, किंतु अब लगातार हो रहे विकास कार्यों ने इसे एक आदर्श बस्ती की ओर अग्रसर कर दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि आज बड़े नाले पर लगभग 22 लाख की लागत से पक्के निर्माण कार्य की भी

शुरूआत हुई है। इससे कॉलोनी में स्वच्छता और जल निकासी की बड़ी समस्या का समाधान होगा। विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा ने कहा कि न्यास कॉलोनी को सर्वश्रेष्ठ कॉलोनी बनाने का जो सपना हमने देखा था, वह धीरे-धीरे साकार हो रहा है। सभी गार्डनों में बुजुर्गों के लिए बैठने की कुर्सियाँ एवं बच्चों के लिए खेल सामग्री व झूले लगाए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास है। हमारी प्राथमिकता खेल, शिक्षा, स्वच्छता और बच्चों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। महिलाओं का उत्साह गिरते पानी के बीच भूमि पूजन कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर विधायक का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने पुष्प वर्षा कर माननीय अतिथियों के प्रति आभार और खुशी व्यक्त की। इस अवसर को महिलाओं ने उत्सव जैसा बना दिया। **विशिष्ट उपस्थिति-** इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा, इंजीनियर मीनाक्षी चौधरी, इंजीनियर सोनी अग्रवाल, नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चोरे, महामंत्री शैलेंद्र दीक्षित, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, पार्षद सभापति गीता पटेल, पार्षद जिम्मी कैथवास, पार्षद अमित विश्वास, पार्षद कुंदन गौर, ठेकेदार पुनीत मालवीय, नगर मंडल उपाध्यक्ष संगीता मालवीय, पूनम सोनकर, जया मीणा, सुरेंद्र सिंह एवं श्रीकांत तिवारी सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। बारिश के बीच संपन्न हुए इस भूमि पूजन कार्यक्रम में अतिथियों ने ईश्वर की आराधना कर कार्य की सफलता की प्रार्थना की। उपस्थित नागरिकों ने इसे ऐतिहासिक और यादगार क्षण बताया। **आभार-** न्यास कॉलोनी की जनता की ओर से पार्षद अमृता ठाकुर ने विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा एवं अध्यक्ष पंकज चोरे का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि – पिछले तीन वर्षों में लगभग 80% सड़कों व नालियों का निर्माण हो चुका है। संजीवनी क्लिनिक, सामुदायिक भवन, पार्क, आंगनबाड़ी, विद्यालय और ई-लाइब्रेरी जैसी सुविधाएँ यहाँ की नई पहचान होंगी। आज दो नए पार्कों का भूमि पूजन और बड़े नाले पर पक्के निर्माण कार्य की शुरूआत हमारी कॉलोनी के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे इन विकास कार्यों को सुरक्षित रखें और न्यास कॉलोनी को एक आदर्श बस्ती बनाने में सहयोग करें।

विद्युत विजिलेंस कंपनी की छापामार कार्रवाई

ग्राम उरदमऊ बाड़ी में अवैध ट्रांसफार्मर जब्त, दो प्रकरण दर्ज

दैनिक भेल पॉवर

रायसेन। विद्युत विजिलेंस की विशेष टीम द्वारा दिनांक 14/08/2022 को किए गए निरीक्षण के दौरान ग्राम उरदमऊ, तहसील बाड़ी में दो नग 25 डश्अ ट्रांसफार्मर अवैध रूप से ऊजीर्कृत पाए गए। जाँच में यह तथ्य सामने आया कि 11 के.वी. दिगवाड़ फीडर से बिना अनुमति लाइन विस्तार कर विद्युत उपयोग किया जा रहा था। तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों ट्रांसफार्मरों को बंद किया गया तथा कंडक्टर तार एवं अन्य सामग्री जब्त की गई। इस संबंध में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत दो प्रकरण पंजीबद्ध कर थाना बाड़ी को आवश्यक कानूनी कार्यवाही हेतु अवगत कराया गया है। विभाग द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के अवैध कार्यों से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होती है, दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है तथा विभाग को आर्थिक क्षति भी होती है। स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि इस प्रकार की अवैध गतिविधियाँ पाई जाती हैं तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आमजनों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का विद्युत संबंधी कार्य केवल विभागीय अनुमति एवं निर्धारित नियमों का पालन करते हुए ही किया जाए, जिससे सुरक्षित एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता के साथ पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों का हो रहा उन्नयन – राज्यमंत्री श्रीमती गौर

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने भोपाल के भदभदा रोड पर स्थित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों में प्रदेश के समस्त विभागीय छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में उन्नयन किया जाएगा। आदर्श छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण भोजन, निवास की आदर्श परिस्थितियों एवं वातावरण उपलब्ध होने के साथ-साथ आवश्यक भौतिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश में 108 छात्रावास संचालित है। प्रथम चरण में 30 कन्या छात्रावासों का चयन किया गया है, जिनका उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 50 सीटर इन छात्रावासों में आदर्श किचन निर्माण, आधुनिक मेस व्यवस्था,

रूफटॉप सोलर संयंत्र, ई-लाइब्रेरी, वाय-फाय, मनोरंजन कक्ष आदि की व्यवस्था सीएसआर मॉडल के माध्यम से की जा रही है। भोपाल के भदभदा स्थित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में भवन का उन्नयन कार्य, टॉयलेट ब्लॉक, किचन, मैस, डायनिंग हॉल, वास एरिया एवं छात्र-छात्राओं के कक्षाओं की आंतरिक साज सजा का उन्नयन हो चुका है। राज्यमंत्री श्रीमती गोर ने कहा कि प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार छात्रों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जल्द ही सभी छात्रावासों में जिम और लाइब्रेरी की सुविधा भी शुरू की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के आयुक्त श्री सौरभ सुमन भी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण, पेयजल सप्लाई, रोड के गड्ढे की समस्या देखी

दैनिक भेल पॉवर

इटारसी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सोमवार को वार्ड क्रमांक 31 में तीन स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्षद मनीषा अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, एई मीनाक्षी चौधरी, बब्बी बस्तवार, शरद बस्तवार, नपा जलकार्य प्रभारी रविंद्र जोशी सहित अन्य मौजूद थे। नपाध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि वार्ड 31 में तेरहवी लाइन में पेयजल सप्लाई नहीं हो रही थी। यहां पर सडक खुदवाकर पाइप लाइन निकालकर उसे ठीक किया जा रहा है। पाइप लाइन में कचरा फस गया था। इसे निकाला जा रहा है। इसके अलावा पूर्व नपाध्यक्ष नीलम गांधी के निवास के पास मौजूद शिव मंदिर में बरसात का पानी सडक से जमा हो जाता है। इसलिए यहां सडक पर सीसी लेयर बिछाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा वार्ड 11 में केनरा बैंक के पास सडक पर गडढे अधिक होने से यहां पर सीआरएम डालने के लिए कहा गया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय पार्श्व प्रवेश परीक्षा 2026 के आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित

ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। जवाहर नवोदय विद्यालय पार्श्व प्रवेश परीक्षा 2026 के कक्षा नवमीं एवं ग्यारहवीं में प्रवेश के लिए आवेदन ऑनलाईन उपलब्ध हैं। कक्षा नवमी में प्रवेश के लिए वे ही छात्र-छात्राएं आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय-अशासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालय में सत्र 2025-26 में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत है तथा जिनका जन्म 01 मई 2011 से 31 जुलाई 2013 के मध्य हुआ हो। इसी प्रकार कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश के लिए वे ही छात्र-छात्राऐं आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय-अशासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालय में सत्र 2025-26 कक्षा दसवीं कक्षा में अध्ययनरत है तथा जिनका जन्म 01 जून 2009 से 31 जुलाई 2011 के मध्य हुआ हो। विद्यालय में छात्र-छात्राओं को शिक्षा आवास भोजन यूनिफार्म पाठ्य-पुस्तकें एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएँ निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास, की सभी सुविधाएँ उपलब्ध है। चयन परीक्षा 07 फरवरी 2026 को आयोजित की जायेगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाईन भरे जाएँगे कक्षा नवमी के लिए वेवसाईट https://cbseitms.nic.in/2025/nvsix 9/ तथा कक्षा ग्यारहवी हेतु https://cbseitms.nic.in/2025/nvsxi _11 से आवेदन फार्म भरे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़, जिला भोपाल के कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता हैं। आवेदन ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2025 है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नम्बर - 0755-2896325, 9584359571 पर संपर्क किया जा सकता है।

भोपाल शहर से निकाले गये पुराने मीटरों में विद्युत चोरी के 2 हजार से अधिक मामले पकड़े

4 करोड़ 19 लाख की बिलिंग, आरोपी उपभोक्ताओं ने जमा किये 2 करोड़ 19 लाख

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। भोपाल शहर में स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान उपभोक्ता परिसरों से निकाले गये पुराने मीटरों की एनएबीएल लैब में चेकिंग के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी के 2 हजार 40 मामले पकड़े गये हैं। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 4 करोड़ 19 लाख से अधिक की बिलिंग की गई है जिसमें से 01 हजार 219 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 2 करोड़ 19 लाख से अधिक की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामले यह रेखांकित करते हैं कि स्मार्ट मीटर प्रभावी है और उसके द्वारा दर्ज खपत भी सटीक है। कंपनी ने यह भी कहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से जारी है और इस दौरान उपभोक्ता परिसरों के मीटरों की जॉच और चेकिंग लगातार जारी रहेगी। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे 2 हजार 430 मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी पकड़ी गई है। ये गड़बड़ी कंपनी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त मीटर टेस्टिंग लैब में पकड़ी गई है। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 4 करोड़ 92 लाख से अधिक की बिलिंग की गई है और इसमें से 1 हजार 439 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 2 करोड़ 45 लाख से अधिक की राशि कंपनी के खाते में जमा कराई है।

विश्व मच्छर दिवस पर जिलेभर में जागरूकता गतिविधियाँ होंगी आयोजित

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाएगा, जिसके लिए जिला मलेरिया कार्यालय ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। इस अवसर पर जिले के सभी जोनों की स्कूलों में ह्लडेंगू नियंत्रण एवं रोकथामह्व विषय पर ड्राइंग एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा विजेताओं को ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। आज जिला मलेरिया कार्यालय में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने मलेरिया जोन

सुपरवाइजरों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रवार मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया की स्थिति की समीक्षा की गई। श्रीमती नामदेव ने जानकारी दी कि अब तक जिले में 1,97,075 मलेरिया जांच की जा चुकी हैं, जिनमें 6 पॉजिटिव मामले पाए गए हैं। इसी प्रकार 3,13,571 घरों में लार्वा सर्वे किया गया, जिसमें 23,04,822 कंटेनरों का निरीक्षण किया गया और इनमें से 10,880 कंटेनरों में लार्वा पाया गया। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग के 56 ट्राइबल छात्रावासों में लार्वा विनष्टिकरण की कार्रवाई की गई तथा छात्रों को भी जागरूक किया गया। साथ ही अब तक जिले के 63 स्कूलों में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी

दैनिक भेल पॉवर

संत नगर भोपाल। *विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के वरिष्ठ नेता बड़े भाई विशाल पुरोहित जी के जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे हीरो हिन्दू फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो हिन्दू ने विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के वरिष्ठ नेता बड़े भाई विशाल पुरोहित जी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी।*

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में बी.ए. बी.एड. कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में आज एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (बी.ए. बी.एड.) माध्यमिक सत्र 2025-26 के दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. रविंद्र कान्हेरे, एएफआरसी भोपाल के अध्यक्ष और सारस्वत अतिथि प्रो. अंशुमन उपाध्याय, इग्नू भोपाल के उपनिदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की।शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. गोविंद पांडेय ने छात्रों और अतिथियों का स्वागत करते हुए दीक्षारंभ कार्यक्रम की

रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि प्रो. रविंद्र कान्हेरे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक बनने की दिशा में यह पाठ्यक्रम उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है, क्योंकि शिक्षक समाज के निमार्ता होते हैं। प्रो. अंशुमन उपाध्याय ने छात्रों को बताया कि यह एकीकृत पाठ्यक्रम उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने छात्रों को बधाई देते हुए संस्कृत शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत का अध्ययन न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए भी आवश्यक है। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू और डॉ. कृष्णकांत तिवारी तथा समन्वयक डॉ. रजनी वी.जी. हैं।

श्री चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर परिसर की 400 वर्षीय ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोद्धार सम्पन्न, दीप प्रज्वलन कर हुआ लोकार्पण

पेशवाओं के काल में हुआ था निर्माण, राजस्थान के शिल्पकारों ने पारंपरिक शैली में किया नवीनीकरण

- यह कार्य पिछले एक वर्ष से चरणबद्ध रूप से चल रहा था, जिसमें राजस्थान से आए पारंपरिक शिल्पकारों और कलाकारों ने बारीकी से पत्थर पर नक्काशी और पारंपरिक स्थापत्य कला का उपयोग करते हुए बावड़ी को नया स्वरूप प्रदान किया।

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। श्री चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर परिसर स्थित लगभग 400 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। सोमवार को मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. पृथ्वी वल्लभ दुबे, पं. हेमंत वल्लभ दुबे एवं पुजारी परिवार ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन कर लोकार्पण किया। यह प्राचीन बावड़ी मंदिर परिसर का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इतिहासकारों के अनुसार, यह मंदिर विक्रमादित्य कालीन है, और लगभग चार शताब्दियों पूर्व जब पेशवाओं के काल में मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ था, उसी समय इस बावड़ी का भी निर्माण कराया गया था। उस समय यह बावड़ी न केवल जलस्रोत के रूप में उपयोग में लाई जाती थी, बल्कि यह धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का भी केंद्र बिंदु रही। राजस्थान के कारीगरों ने किया जीर्णोद्धार, 5 लाख रुपये की लागत बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य में लगभग 5 लाख की लागत आई है। यह कार्य पिछले एक वर्ष से चरणबद्ध रूप से चल रहा था, जिसमें राजस्थान से आए पारंपरिक शिल्पकारों और कलाकारों ने बारीकी से पत्थर पर नक्काशी और पारंपरिक स्थापत्य कला का उपयोग करते हुए बावड़ी को नया स्वरूप प्रदान किया। पुजारी बोले यह केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति की प्रतीक लोकार्पण अवसर पर मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. पृथ्वी वल्लभ दुबे ने कहा, ह्यह बावड़ी केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि हमारी आस्था और इतिहास की जीवंत धरोहर है। इसका नवीनीकरण समस्त गणेश भक्तों के लिए हर्ष और गौरव का विषय है। उन्होंने यह भी बताया कि, बावड़ी निर्माण के नाम पर कुछ लोग अवैध रूप से चंदा वसूली कर रहे हैं। गणेश जी उन्हें सद्बुद्धि प्रदान करें। श्रद्धालुओं और पत्रकारों की रही उपस्थिति, धार्मिक उल्लास का माहौल बावड़ी के लोकार्पण के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारों की बड़ी संख्या मौजूद रही। मंत्रोच्चार, दीपमालिका और पूजा-अर्चना के साथ पूरा वातावरण धार्मिक श्रद्धा और उल्लास से सराबोर हो गया। यह पुनर्निर्माण कार्य मंदिर की विरासत को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भावी पीढ़ियां भी अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ सकेंगी।

भूतेश्वर महादेव की टीम ने रात 3. 51 बजे फोड़ी मटकी, जीता 2.51 लाख रुपए का इनाम

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन भोजपाल महोत्सव मेला समिति ने किया आयोजन

- अवधपुरी चौराहे पर 2.51 लाख रुपए की इनामी मटकी फोड़ प्रतियोगिता में 15 से ज्यादा टीमें हुई शामिल
- इंडियन आइडल फेम-15 चैतन्य देवड़े की गोविंदा आला की प्रस्तुति पर झूमे श्रद्धालु

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। गोविंदा आला रे आला, जरा मटकी संभाल बृजवाला, एक, दो, तीन, चार संग पांच, छ, सात हैं ग्वाला जैसी सुमधुर प्रस्तुति से इंडियन आइडल फेम-15 चैतन्य देवड़े ने मटकी फोडने. आए गोविंदाओं की टोलियों और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। चैतन्य देवड़े भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा आयोजित प्रदेश की सबसे बड़ी ईनामी राशि वाली मटकी फोड़ प्रतियोगिता में प्रस्तुति देने पहुंचे थे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में 15 से ज्यादा टीमों ने भाग लिया। इसमें एकता स्पोर्टस म्लब ₹दमुआ हिंदवाड़ा, डी. जे. ब्यास बैतूल ₹आमला, मुक्तेश्वर महादेव मटकी फोड़ टीम, गौरागांव भोपाल, श्रीधाम टीम भवानी चौक भोपाल सहित अन्य टीमें शामिल हुई और 60 फीट ऊंची मटकी को फोडने.की कोशिश की। रात 3.51 बजे भूतेश्वर महादेव टीम के सदस्यों ने मटकी फोड़ कर 2.51 लाख रुपए की ईनामी राशि जीती। कार्यक्रम का आयोजन अवधपुरी चौराहा स्थित विवेकानंद स्कूल के सामने हेलीपैड पर शाम 7 बजे से किया गया। मुख्य अतिथि हेमंत खंडेलवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहे। विशिष्ट अतिथि आलोक शर्मा, समिति के संरक्षक व सांसद भोपाल, महापौर मालती राय, रविंद्र यति भाजपा जिला अध्यक्ष, विकास वीरानी भाजपा नेता, समिति के संयोजक, अध्यक्ष सुनील यादव आदि मौजूद रहे। **कई जिलों की टीमें ने दर्शकों का बढ़ाया उत्साह-** समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि 2.51 लाख रुपए इनामी मटकी फोड़ प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलो से 15 से ज्यादा गोविंदा की टोलियां शामिल हुई। प्रतियोगिता में विद्युत साज सज्जा, भव्य अतिशबाजी के साथ इंडियन आइडल फेम-15 चैतन्य देवड़े ने अपने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति देकर गोंविंदा की टोलियों और दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मेला टीम के महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील शाह, महेंद्र नामदेव, मधु भवनानी, विनय सिंह, देवेंद्र चौकसे, अखिलेश नागर, दीपक बैरागी, जाहिद खान, दीपक शर्मा, गोपाल, केश कुमार शाह, चंदन वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का कारगर हथियारः कलेक्टर

साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में सोमवार को साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मध्यप्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम के विशेषज्ञों ने साइबर खतरों, सुरक्षा उपायों और सरकारी एवं निजी डाटा को सुरक्षित रखने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि वर्तमान में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है, लेकिन इसके साथ ही साइबर खतरे भी तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक ऑनलाइन उपयोगकर्ता के लिए यह जरूरी है कि वह बहुत ही सावधानी और सतर्कता के साथ डिजिटल माध्यमों का उपयोग करे, क्योंकि सावधानी में ही सुरक्षा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मिट्टी से बने गजानन की स्थापना होगी समृद्धि कारकः पं. शर्मा

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी यानी सोमवार 27 अगस्त को प्रथम पूज्य भगवान गणेश की स्थापना होगी। पंडित सुनील शर्मा ने बताया कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी का पर्व चित्रा नक्षत्र में मनाया जाएगा, जो कि अति शुभ और मंगलकारी है। 26 अगस्त को दोपहर 1.54 बजे चतुर्थी तिथि शुरू होगी और 27 अगस्त को दोपहर 3.44 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को मनाई जाएगी। पंडित शर्मा के अनुसार गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक की अवधि में त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा, जो कि अत्यंत शुभकारी है। उन्होंने यह भी बताया कि भगवान गणेश को समर्पित बुधवार के दिन ही इस वर्ष गणेश जन्मोत्सव की शुरूआत हो रही हैए जो एक शुभ संकेत है। उन्होंने भक्तों को सलाह दी कि गणेश चतुर्थी पर मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना करना समृद्धि और शुभता लाता है। इसके साथ ही भगवान गणेश की विशेष कृपा पाने के लिए उन्हें दुर्वा और मोदक अवश्य भेंट करना चाहिए। गणेश चालीसा और गणपति अथर्वशीर्ष का नियमित पाठ करना भी अत्यंत फलदायी होता है।

राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में बालाघाट ने ग्वालियर को 13-0 से शिकस्त दी

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शहर के चर्च और आवासीय मैदान पर चल रही राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में सोमवार को तीन मुकाबले खेले गए, जिनमें से अधिकांश एकतरफा रहे। प्रतियोगिता का आयोजन मप्र फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में खेल मंत्री विश्वास सारंग के पिता की स्मृति में किया जा रहा है। दिन का सबसे बड़ा मुकाबला आवासीय मैदान पर बालाघाट और ग्वालियर के बीच खेला गया। इस मैच में बालाघाट की टीम ने ग्वालियर को 13.0 के भारी अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की स्ट्राइकर वंदना ने अकेले चार गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा संयुक्ता ने तीन, कृति ने दो और अनुपमा, विशाखा, उमा और निकिता ने एक.एक गोल किया। इसी मैदान पर खेले गए एक अन्य मैच में छिंदवाड़ा ने धार को 8.0 से हराया। छिंदवाड़ा की ओर से सोनू परोहित ने पांच गोल के साथ बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि दिव्यांशु ने दो और सरिया ने एक गोल किया। चर्च मैदान पर हुए तीसरे मुकाबले में सिंगरौली ने नीमच को 2.0 से शिकस्त दी। मैच का पहला हाफ गोल रहित रहा, लेकिन दूसरे हाफ के आखिरी क्षणों में सिंगरौली की उमा और कोमल ने एक.एक गोल करके अपनी टीम को जीत दिलाई। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि मंगलवार को भी आवासीय मैदान पर दो और चर्च मैदान पर एक मैच खेला जाएगा।

सेंट पॉल स्कूल वॉलीबॉल टीम का चयन नेशनल के लिए हुआ

दैनिक भेल पॉवर

सीबीएसई क्लस्टर कक वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन टीटी नगर स्टेडियम में किया गया था। अंडर-17 वर्ग में सेंट पॉल को-एड स्कूल, आनंद नगर, भोपाल की वॉलीबॉल टीम ने राज्य स्तर पर विजय प्राप्त की और नेशनल के लिए अपनी जगह पक्की की। टीम, जिसका नेतृत्व कप्तान महक मूलचंदानी और कोच रोनाल्ड जेम्स ने किया और गोल्ड मेडल प्राप्त किया। महक मूलचंदानी के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें ₹टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी₹ का पुरस्कार दिलाया। इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले टीम सदस्यों में दर्शिका बारस्कर, दिव्यांशी नामदेव, नमामी गुर्जर, श्रद्धा सिंह, तनुष्का वर्मा, समृद्धि साहू, अलाईना, आरसी कमल और पावनी चौकसे शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. फादर थॉमस ने टीम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय खेल संभवतः सितंबर में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित होंगे।

मध्यप्रदेश राज्य जूनियर किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता भोपाल में संपन्न

- यह प्रतियोगिता वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन से क्वालिफाइड मध्यप्रदेश के ऑफिशियल्स द्वारा सफलता पूर्वक संपन्न कराई गई। इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी आगामी माह में हिमाचल प्रदेश में आयोजित वाको जूनियर राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित वाको मध्यप्रदेश राज्य जूनियर अंडर-19 (15 से 19) वर्ष आयु वर्ग के किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल में किया गया।प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 जिलों से 165 बालक एवं बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण खोबरे, सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय,भोपाल विशेष अतिथि के रूप में डॉ. इंद्रपाल सिंह गुलाटी समाजसेवी, विनोद सोनडवले अध्यक्ष, एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश, मनीषा वर्मा चेयरपर्सन वूमेंस कमेटी, बृज सिंह, संतोष राठौर, विकास शर्मा अंतरराष्ट्रीय कराटे मेडलिस्ट एवं विक्रम अवार्ड प्राप्त, रामकिशोर सोनी, अंबुज सिंह ,शशिकांत पाटील,सोनिका सुरजन उपस्थित रहे। एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश, के महासचिव आशुतोष दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि समापन से पूर्व पैरा किकबॉक्सिंग खिलाड़ियों ने अद्भुत खेल प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। यह प्रतियोगिता वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन से क्वालिफाइड मध्यप्रदेश के ऑफिशियल्स द्वारा सफलता पूर्वक संपन्न कराई गई। इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी आगामी माह में हिमाचल प्रदेश में आयोजित वाको जूनियर राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे । कार्यक्रम के समापन अवसर पर अतिथियों का स्वागत गौरव सनोतिया, नरेंद्र चौहान, दिनेश मटके, विजय बरेठिया, अभिषेक राठौर, जितेंद्र राठौर एवं शुभम तलोदिया द्वारा किया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय, भोपाल ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

दैनिक भेल पॉवर

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आज स्वतंत्रता दिवस का समारोह आंचलिक कार्यालय परिसर, 9 अरेरा हिल्स, भोपाल में बड़े उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण मे मनाया. इस अवसर पर भोपाल अंचल प्रमुख, श्री धीरज गोयल ने ध्वजारोहण किया और सभी उपस्थित स्टाफ सदस्यों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया. अपने उद्बोधन में उन्होंने सर्वप्रथम 79 वीं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें न केवल देश के गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है बल्कि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग एवं प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि बैंकिंग सेवाओं को आम जनता तक सरलता एवं ईमानदारी से पहुँचाने का संकल्प लें। उपमहाप्रबंधक (एस एल बी सी) श्री प्रमोद मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा स्वंत्रता संग्राम में सेनानियों के बलिदान, त्याग, संघर्ष से हमें आजादी मिली है उन्होंने सभी कर्मचारियों से देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया. उप अंचल प्रमुख श्री डी. के. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वंत्रता दिवस हमें अपनी जिम्मेदारीयों का अहसास कराता है और हमारी परम्पराओ और मूल्यों के प्रतिबद्धता को मजबूत करता है. समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बैंक के कर्मचारी एवं उनके परिवार जनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों नृत्य परिस्थितियों ने वातावरण को और अधिक उल्हासमय बना दिया. कार्यक्रम में आँचलिक कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, सीबीओटीसी भोपाल एवं स्थानीय शाखाओं के स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिवार सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही. कार्यक्रम के दौरान आंचल प्रमुख द्वारा सुरक्षा प्रहरियों,ड्राइवर, सफाई कमीयों कैंटीन के सदस्य एवं स्टाफ सदस्यों को बच्चों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे देशहित और ग्राहकों की सेवा को सर्वोपरि रखते हुए बैंक को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कार्यरत रहेंगे कार्यक्रम का सचल संचालन श्री विजय बांक द्वारा किया गया।

186 वर्षों में कितनी बदल गई तस्वीरों की दुनिया?

अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम के बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है।

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए फोटो स्टूडियो तक जाना पड़ता था लेकिन अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज बिल्कुल बदल चुकी है। हालांकि यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर कम ही हैं। दरअसल एक अच्छा फोटो प्राप्त करने की पहली शर्त है आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य को कैमरे की मदद से एक फ्रेम में बांधना, प्रकाश, छाया, कैमरे की स्थिति, उचित एक्सपोजर तथा उचित विषय का चुनाव करना इत्यादि।

अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम के बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है। जब तक किसी फोटो में मानवीय संवेदनाएं नजर नहीं आएंगी, तब तक उसे बेहतर तस्वीर नहीं माना जा सकता। किसी भी फोटो में स्पष्ट दिखने वाली ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं के कारण ही प्रायः कहा भी जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होता है। इसलिए कोई भी फोटो तकनीकी रूप में कितना ही अच्छा क्यों न हो, वह तब तक सर्वमान्य नहीं हो सकता, जब तक कि वह मानवीय संवेदना को झकझोर न दे। किसी भी उत्पाद के प्रचार के लिए बनाए जाने वाले विज्ञापन को

आकर्षक बनाने में भी एक अच्छे फोटोग्राफर का योगदान बहुत बड़ा होता है।

फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष मेरी पसंदीदा तस्वीर थीम के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरूआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोस्र्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था।

विश्व फोटोग्राफी दिवस आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली फोटोग्राफी प्रक्रिया माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द फोटोज (प्रकाश) और ग्राफीन (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार फोटोग्राफी शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रैंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। अपने आविष्कार के 186 वर्षों लंबे इस सफर में फोटोग्राफी ने अनेक आयाम देखे हैं।

सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी का तो आज की युवा पीढ़ी पर जुनून सा छाया है लेकिन विश्व की पहली सेल्फी 186 वर्ष पूर्व अर्थात् वर्ष 1839 में ही ली गई थी और यह सेल्फी ली थी अमेरिकन फोटोग्राफर रॉबर्ट कॉर्नेलियस ने। उन्होंने अपने कैमरे को सैट करने के बाद लेंस कैप को हटाकर फ्रेम में चलकर फोटो ली थी, जिसे अब सेल्फी कहा जाता है। हालांकि उस समय स्वयं कॉर्नेलियस को भी नहीं पता था कि उनके द्वारा उस अंदाज में खींचा गया वह फोटा भविष्य में सेल्फी के रूप में जाना जाएगा। कॉर्नेलियस द्वारा ली गई सेल्फी वाली वह तस्वीर आज भी यूनाइटेड स्टेट लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस प्रिंट में उपलब्ध है।

तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

स्वदेशी रेल चक्का व धुरा कारखाना की कहानी

आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है, आरडब्लूएफ की ऐतिहासिक सफर देश ने विगत दिनों अपना 79 वें स्वतंत्रता दिवस मनाया है। इस के पावन पुनीत अवसर पर हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले के प्राचीर से देश की जनता को सम्बोधित करते हुए स्वदेशी अपनानें की मार्मिक अपील की है। जो प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। आज हम इससे मिलती जुलती वाक्या से आप सभी को अवगत कराने वाले है। विश्व की सबसे बड़े लोकतंत्र की भारतीय रेल प्रणाली जो सबसे सस्ती व सुरक्षित मानी जाती है। बल्कि भारत के विकाश यात्रा में बहुमूल्य योग्यदान कर रही है। उसी रेलगाड़ी में दशकों से अपनी अहंम भुमिका निभाने वाली पहिया(व्हील)व धुरा(एक्सल) की निमार्ता कम्पनी है। आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करता है । आर डब्लू एफ की ऐतिहासिक सफर, जिसकी पृष्टभुमि सन1970 के दशक के आरंभ है। जब रेलवे पहिये के लिए टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी तथा हिन्दुस्तान स्टील, दुगार्पुर पर निर्भर थी। टाटा का संयंत्र से रेलवे की आवश्यक ताओ की पूर्ति ना होने के कारण दुगार्पुर व्हील एंड एक्सल संयंत्र की योजना बनाई गई। हाँलाकि इन दोनों इकाइयों से रेलवे की आवश्यकताओं को पुर्ति नही होने के कारण भारतीय रेलवे को पहियों, धुरों काफी हद तक विदेशों से आयात करना पड़ रहा था, जिसकी लागत अधिक थी। वही वैश्विक बाजारों में आयें दिनों कीमतें लगातार बढ़ने के हमारा विदेशी मुद्रा का भंडार खाली हो रही थीं। पहियों के आयात का वित्त पोषण और विदेशों से आपूर्ति में देरी ने वैगन निर्माण और रोलिंग स्टॉक रखरखाव पर प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए तत्कालीन रेल मंत्री

के.हनुमंतैया ने1972-73 के अपने रेल बजट (सालाना बजट से पूर्व रेल बजट रेल मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जाता था)भाषण में घोषणा की कि हमें कुछ शक्तिशाली देश द्वारा विदेशी सहायता बंद होने या बंद होने की धमकी मिल रही है। अतःभारत सरकार ने आत्म निर्भरता की नीति को प्रोत्साहन देगा। इस आत्म निर्भरता की नीति को रेलवे पहियों और धुरी और कर्षण गियर के निर्माण के लिए दो नई परियोजना ओं का प्रस्ताव रहते हुए कहा कि अभी तक हम पहियों और धुरी की हमारी आवश्यकताएं केवल स्वदेशी उत्पादन से आंशिक रूप से पूरी होती है। हम अपने आवश्यकता को विदेशों से 5.8 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत से खरीद रहे हैं। पहियों और धुरी की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इस नए प्रस्तावित संयंत्र एक और रेलवे उत्पादन इकाई होगी और प्रति वर्ष लगभग 20, 000 पहिए और 25, 000 ढीले पहिये का उत्पादन करेगी, जिससे रेलवे वस्तुतः आत्म निर्भर हो जाएगी। इसके लिए एच.एस.कपूर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट बनाने की क्षमता वाले व्हील और एक्सल प्लांट की आवश्यकता की पुष्टि की गई। इसके अलावा, स्क्रैप और कच्चे माल के परिवहन में आसानी, फोर्जिंग एक्सल के लिए ब्लूम की उपलब्धता, औजारों व उपकरणों की आवश्यक ताओं की आपूर्ति के लिए औद्योगिक क्षेत्रों की निकटता, ऑक्सीजन और एसिटिलीन गैस, इलेक्ट्रोड और ग्रेफाइट मोल्ड, बिजली शुल्क आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए एक विस्तृत अध्ययन किया गया। नए प्लांट की स्थापना के लिए पंजाब और मैसूर(अब कर्नाटक)राज्यों में विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण किया गया, जहाँ बिजली शुल्क सबसे कम था। इसके बाद नागपुर, नवलूर, पापिनयाकन हल्ली, येलहंका, रायचूर और मैसूर को सूची में शामिल किया गया। अतंतःयह येलहंका, जो बैंगलोर शहर का एक उपनगर को सबसे अच्छा स्थान माना गया, जो व्हील और एक्सल प्लांट की स्थापना के लिए अधिकांश शर्तों को पूरा करता था। बाद में, इसके लिए बोर्ड कार्यालय में एक मुख्य परियोजना अधिकारी और एक उप परियोजना अधिकारी की सदस्यता वाली एक परियोजना टीम का गठन किया गया, जिसने येलहंका में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विस्तृत अध्ययन करने और कदम उठाने का काम किया। सन 1972 के अंत में, विशेष कार्य अधिकारी (परियोजना औरउत्पादन इकाईयाँ) और मुख्य परियोजना अधिकारी (व्हील और एक्सल प्लांट)की एक उच्च स्तरीय टीम को उपकरणों और प्रक्रियाओं का विशिष्ट अध्ययन और मूल्यांकन करने के लिए यूरोप, अमेरिका और कनाडा में प्रतिनियुक्त किया गया था। इस टीम के दौरों के दौरान ग्रिफिन व्हील कंपनी, अमेरिका से कास्ट व्हील तकनीक और ऑस्ट्रिया से जीएफएम प्रकार की लांग फोर्जिंग मशीन द्वारा एक्सल की फोर्जिंग के विचारों को अपनाया गया। इस नई परियोजना हेतु विश्व बैंक से वित्तीय सहायता ली गई। 18 जनवरी1980को भारत के तत्का लीन राष्ट्रपति श्री नीलम संजीव रेड्डी ने कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और असेंबल व्हीलसेट के निर्माण के लिए व्हील एंड एक्सल प्लांट(अब रेल व्हील फैक्ट्री, आर डब्लु एफ को राष्ट्र को समर्पित किया। जिसका पहला ट्रायल व्हील 30 दिसंबर1983 को कास्ट किया गया था और पहला एक्सल मार्च 1984 में फोर्ज किया गया था। इस कारखाना के सफल परीक्षणों के बाद, प्लांट का औपचारिक उद्घाटन15 सितंबर1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया।

संपादकीय

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव?

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग को संवैधानिक रूप से सबसे निष्पक्ष और स्वतंत्र संस्था का दर्जा प्राप्त है। चुनाव आयोग का काम न केवल चुनाव कराना है। प्रत्येक नागरिक के मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनावी प्रक्रिया पर जनता और सभी राजनीतिक दलों के विश्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी चुनाव आयोग की है। बीते कुछ वर्षों में बार-बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। चुनाव मे ईवीएम की कार्य प्रणाली को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता संदेह की दृष्टि से देखी जा रही है। यही कारण है, अब विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मंथन शुरू कर दिया है। जल्द ही अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की जा रही है। विपक्ष का आरोप है, चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। चुनावी बांड, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार गिराने एवं राजनीतिक दलों को मान्यता पर कई सवाल खड़े हुए। मतदाता सूची की विसंगतियों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठते सवाल, सत्ता पक्ष द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर कार्यवाही नहीं करना, विपक्ष की शिकायतों पर चुनाव आयोग द्वारा स्पष्ट और भरोसेमंद जवाब नहीं देने से विपक्ष का चुनाव आयोग पर विश्वास खत्म हो गया है। चुनाव आयोग न्यायालय प्रक्रिया की आड़ में विपक्ष को उलझाकर सत्ता पक्ष को जिस तरह का फायदा पहुंचा रहा था। इसका भंडाफोड़ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर दिया है। उसके बाद से विपक्ष को जरा भी विश्वास, चुनाव आयोग पर नहीं रहा। विपक्ष का सीधा आरोप चुनाव आयोग के ऊपर है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर कई संवेदनशील मामलों पर सत्ता पक्ष को फायदा पहुचाने में गड़बड़ी की उसके बाद खामोशी ओढ़ ली। विपक्ष की शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाया है। जिस तरह से चुनाव आयोग मानमाने ढंग से नियम बदल रहा है। सरकार कानून बदल रही है। मनमाने ढंग से चुनाव आयोग मे आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है। उससे विपक्षी दलों का अविश्वास चुनाव आयोग पर बढ़ता ही जा रहा है। अब सवाल यह है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने से स्थिति मैं सुधार होगा? संवैधानिक प्रावधानों के तहत चुनाव आयोग को काफी सुरक्षा मिली हुई है। मोदी सरकार ने जो नया चुनाव कानून बनाया है। उसमें चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकती है। यह सुरक्षा इसलिए है, ताकि चुनाव आयोग पर राजनीतिक रूप से कोई दबाव नहीं बना सके। अगर विपक्ष, संसद में इस मुद्दे को उठाकर अविश्वास प्रस्ताव पेश करता है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को संसद के अंदर विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देना होगा। सीधे तौर पर लोकतांत्रिक विमर्श से संसद के अंदर नई दिशा मिलेगी। भले बहुमत के आधार पर प्रस्ताव पास होना कठिन हो। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से आयोग की जवाबदेही तय करना चाहता है। विपक्ष का यह कदम लोकतंत्र की कसौटी चुनाव आयोग को कसे जाने का महत्वपूर्ण कोशिश है। चुनाव आयोग पर जनता का विश्वास एक बार डगमगा गया, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार ही खत्म हो जाएगा। विपक्ष की यह पहल केवल राजनीतिक प्रतिरोध नहीं मानी जा सकती है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

(आस्था)

अजा एकादशी पर बन रहा त्रिपुष्कर योग, जानिए तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और विष्णु जी की आरती

हर साल भाद्रपद माह में आने वाली कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को अजा एकादशी का व्रत रखा जाता है, जिस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु के ऋषिकेश स्वरूप की पूजा होती है। सनातन धर्म के लोगों के लिए अजा एकादशी के व्रत का खास महत्व है- 2025: हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। यहां हम बात करने जा रहे हैं अजा एकादशी के बारे में, आपको बता दें कि हर साल भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को अजा एकादशी का व्रत रखा जाता है। अजा एकादशी के दिन भगवान विष्णु के ऋषिकेश स्वरूप की उपासना की जाती है। मान्यता है कि जो लोग सच्चे मन से अजा एकादशी के दिन व्रत रखते हैं और पूजा-पाठ करते हैं, उन्हें पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। इस साल अजा एकादशी की व्रत 19 अगस्त को रखा जाएगा। वहीं इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। आइए जानते हैं तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त इस व्रत कथा के बिना अधूरा है अजा एकादशी व्रत, यहां पढ़ें संपूर्ण पौराणिक व्रत कथा अजा एकादशी की तिथि 2025 वैदिक पंचांग के अनुसार 18 अगस्त की शाम 5 बजकर 22 मिनट से लेकर 19 अगस्त की दोपहर 3 बजकर 32 मिनट तक एकादशी तिथि रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर वर्ष 2025 में 19 अगस्त को अजा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। मगरमच्छ को खाना खिलाने पानी में उतरा शख्स, खूंखार ने इंसान को ही निगलने की कर रखी थी तैयारी देख कांप जाएगी रूह बिटिया के साथ पापा करने लगे कुश्ती, छोटी बच्ची ने कुछ ही पलों में दे दी मात, देख यूजर्स बोले पुरुष बेटियों के लिए कुछ 12 घंटे बाद बनेगा गजकेसरी और कलात्मक राजयोग, इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, करियर और कारोबार में तरक्की के योग 12 महीने बाद बुध बनाएंगे भद्र महापुरुष राजयोग, इन राशियों का चमक सकता है भाग्य, पद- प्रतिष्ठा की होगी प्राप्ति अजा एकादशी पूजा का शुभ मुहूर्त वहीं अजा एकादशी पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन सिद्धि योग, त्रिपुष्कर और शिववास योग बन रहा है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।

मेष: दिन की शुरूआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। आपकी ओर से की गयी लापरावाही महंगी साबित हो सकती है। कोई पौधा लगाएँ। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो।

वृषभ: नफरत को दूर करने के लिए संवेदना का स्वभाव अपनाएँ, क्योंकि नफरत की आग बहुत ज्यादा ताकतवर है और मन के साथ शरीर पर भी बुरा असर डालती है। याद रखें कि बुराई अच्छाई से ज्यादा आकर्षक जरूर दिखाई देती है, लेकिन उसका असर खराब ही होता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा।

मिथुन: दोस्तों का रुख सहयोगी रहेगा और वे आपको खुश रखेंगे। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ नजर आ रही है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कर्क: अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-चिल्लाने से बचें। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ जिन्दगी में खुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फरिश्ते के रूप में आएगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सिंह: प्यार, उम्मीद, सहानुभूति, आशावादिता और निष्ठा जैसी सकारात्मक भावनाओं को अपनाने के लिए खुद को प्रोत्साहित करें। एक बार ये गुण आपके अंदर रच-बस जाएँ, तो हर हालात में वे खुद ही सकारात्मक तरीके से उभर आएंगे। घर के जरुरी सामान पर धन खर्च करके आपको आर्थिक परेशानी तो आज जरुर होगी लेकिन इससे आप भविष्य की कई परेशानियों से बच जाएंगे। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज के दिन आप किसी कुदरती खूबसूरती से खुद को सराबोर महसूस करेंगे।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी को भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल करने से बचें। दिन की शुरूआत से अन्त तक आप खुद को ऊर्जा से लबरेज महसूस करेंगे। आज के दिन अधिकांश समय खरीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते।

तुला: स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपको अपने रोजमर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। रोमांटिक मुलाकात बहुत रोमांचक रहेगी, लेकिन ज्यादा देर के लिए नहीं होगी। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

वृश्चिक: नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। उसे कोई प्यारा सरप्राइज देने की योजना बनाएँ और इसे उसके लिए एक खूबसूरत दिन में तब्दील करने के बारे में सोचें। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज रफ़्तार पकड़ लेगा। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे।

धनु: स्वास्थ्य का खयाल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। दूसरे आपसे काफी ज्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो और साथ ही वे आपकी उदारता और सुहृदयता का गलत फायदा न उठाएँ।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी।

मकर: आपके पति/पत्नि की सेहत तनाव और फिक्र की वजह बन सकती है। होशियारी से निवेश करें। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ जिन्दगी में खुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। पुरानी यादों को जेहन में जिंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताजा करने का वक़्त है। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा।

कुंभ: ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। जिंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए खुशी का सबब साबित होगा। कोई अच्छी खबर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची।

मीन: मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत जरूरी है। गलतफहमी या कोई गलत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। बहादुरी भरे कदम और फैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं।

खुद को लेस्बियन बताने वाली ऑस्ट्रेलिया नेता चलाएंगी सरकार:वोंग बनीं विदेश मंत्री, रायन ने यौन शोषण के मुद्दे पर वित्त मंत्री को हराया

ऑस्ट्रेलिया में 9 साल के इंतजार के बाद लिबरल पार्टी के हाथ में सत्ता आई है। इस बार के चुनावों में निर्दलीय महिला उम्मीदवारों ने सत्ता पक्ष के कई बड़े नेताओं से उनकी सुरक्षित सीटें छीनीं। इन महिलाओं ने जलवायु परिवर्तन और लैंगिक समानता के मुद्दों पर चुनाव लड़ा था।आइए, जानते हैं नई सरकार की उन महिलाओं के बारे में जिन्होंने विदेश मंत्री से लेकर कई अहम पदों पर कब्जा जमाया है।

समलैंगिक विवाह की पैरोकार यिंग वोंग

नई सरकार में महिला विदेश मंत्री बनीं पेनेलोपे यिंग येन वोंग साल 2002 से सीनेटर हैं। 54 साल की वोंग दक्षिण ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करती हैं। वोंग साल 2013 से ऑस्ट्रेलियाई लिबरल पार्टी की तरफ से सीनेटर के तौर पर सेवा दे रही हैं। वोंग साल 2007 से 2010 तक रड की सरकार में ऑस्ट्रेलिया की पहली जलवायु परिवर्तन मंत्री रही थीं। इसके बाद साल 2010 से 13 तक जूलिया गिलार्ड की सरकार में वित्त मंत्री बनीं।

वोंग ऑस्ट्रेलियाई कैबिनेट में शामिल होने वाली एशियाई मूल की पहली महिला बनी हैं।

मलेशियाई पिता और ऑस्ट्रेलियाई मां की संतान वोंग का जन्म मलेशिया में हुआ था। अपने माता-पिता के तलाक के बाद, वह 1976 में ऑस्ट्रेलिया चली गईं। जब वह आठ साल की थीं तब एडिलेड में बस गईं। ऑस्ट्रेलिया में इअ करने के बाद उन्होंने लॉ की डिग्री हासिल की। राजनीति में पूरी तरह कदम रखने से पहले वोंग एक वकील और राजनीतिक सलाहकार के तौर पर काम कर चुकी थीं।

वोंग अपने आपको खुले तौर पर समलैंगिक मानती हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में ऐसी पहली सांसद हैं। साल 2017 में ऑस्ट्रेलिया में समलैंगिक विवाह को कानूनी जामा पहनाने की पैरवी कर चुकी हैं।

वित्त मंत्री को हराने वाली मोनिक रायन

बाल रोग विशेषज्ञ मोनिक मेरी रायन ने इस बार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और केंद्र में वित्त मंत्री रहे लिबरल पार्टी के बड़े नेता जॉश फ्राइडेनबर्ग को मात दी। मोनिक रायन बाल रोग विशेषज्ञ हैं। रविवार को अपने विजयी भाषण में रायन ने कहा कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मिलने वाली कम सैलरी और सेक्शुअल हरासमेंट उनके सबसे बड़े मुद्दे रहे।

पार्लियामेंट पहुंचने वाली पहली आदिवासी महिला सांसद लिंडा बर्नी

लिंडा बर्नी ऐसी ऑस्ट्रेलियाई महिला सांसद हैं, जो आदिवासी हैं और संसद पहुंची हैं। ऐसा रिकॉर्ड उन्होंने साल 2003 में बनाया था। उस समय उन्होंने न्यू साउथ वेल्स स्टेट पार्लियामेंट में प्रवेश पाया था। इसके अलावा 63 वर्षीय लिंडा चार्ल्स स्टुअर्ट यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा करने वाली भी पहली ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी थीं।

लिंडा ने देश की संसद में दशकों तक काम किया है। अभी हाल ही में लेबर पार्टी की सरकार की तरफ से लिंडा मूल ऑस्ट्रेलियाई निवासियों की मंत्री बनीं हैं।

लिंडा ने देश की संसद में दशकों तक काम किया है। अभी हाल ही में लेबर पार्टी की सरकार की तरफ से लिंडा मूल ऑस्ट्रेलियाई निवासियों की मंत्री बनीं हैं।

लिंडा ने राष्ट्रीय ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी सुलह परिषद और अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र कार्य समूहों के साथ काम किया है। वे विराडज्यूरी वंश की हैं और लीटन के पास दक्षिण पश्चिम के छोटे से शहर ह्विट्न में पलीझबढ़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र की मुख्यमंत्री रही कैथरीन रथ गल्लाघेर लेबर पार्टी की अहम महिला नेता के तौर पर जानी जाने वाल कैथरीन रथ गल्लाघेर ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। साल 2011 से 14 तक वे इस पद पर रही थीं। साल 2019 में लेबर पार्टी की तरफ से वे सीनेटर थीं।

भारतीय मूल के देव शर्मा को हराने वाली ऐलेग्रा स्पेंडर

सिडनी की वेंटवर्थ सीट पर एक उद्योगपति ऐलेग्रा स्पेंडर ने भारतीय मूल के लिबरल उम्मीदवार देव शर्मा को हराया। निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरी स्पेंडर पहले लिबरल पार्टी से ही ताल्लुक रखती थीं। उनके पिता एक दशक तक लिबरल पार्टी के सांसद रहे और उनके दादा देश के विदेश मंत्री रहे थे।

स्पेंडर की जीत के बाद वेंटवर्थ की सीट एक मिसाल बन गई है कि कैसे पढ़े-लिखे मध्यमार्गी लिबरल वोटर जो जलवायु विज्ञान की समझ रखते हैं और स्वच्छ तकनीक में निवेश करना चाहते हैं, पार्टी को छोड़ रहे हैं।

महिलाओं ने किया कमाल

कुल मिलाकर लिबरल की इस जीत में निर्दलीय महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है, जिन्होंने मुख्यतया जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर चुनाव लड़ा। यह चुनाव बहुत योजनाबद्ध तरीके से लड़ा गया, जिसमें अलग-अलग सीटों पर समुदायों के समूह बनाकर प्रचार किया गया। आमतौर पर इस चुनाव प्रचार की कमान महिलाओं के हाथों में ही थी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सोनागाछी में खुशी

सेक्स वर्कर्स बोलीं...

अब गरिमा के साथ जी सकेंगे, रहेगी आजादी

सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक आदेश देते हुए पुलिस को निर्देश दिया कि सहमति से यौन संबंध बनाने वाली सेक्स वर्कर्स के खिलाफ न तो वो हस्तक्षेप करे और न ही आपराधिक कार्रवाई। उनके साथ इज्जत से पेश आए। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ ने आदेश दिया जिसकी अध्यक्षता जस्टिस एल नागेश्वर राव कर रहे थे।

कानूनी सुरक्षा भी मिलनी चाहिए

सेक्स वर्कर्स के मुद्दों पर काम कर रहे दरबार फाउंडेशन की भारती डे कहती हैं हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हैं। यह लड़ाई हम 28 साल से लड़ रहे हैं। सोनागाछी की सभी सेक्स वर्कर्स कोर्ट के फैसले से खुश हैं । उन्हें एक नागरिक के रूप में मान्यता मिली है, जिनकी गरिमा को बरकरार रखा जाना चाहिए। इसके लिए उन्हें कानूनी सुरक्षा भी दी जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

दरअसल, साल 2011 में कोलकाता में एक सेक्स वर्कर की आपराधिक शिकायत दर्ज होने के बाद मामला सामने आया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया। 19 मई, 2022 को पैनल की सिफारिशों को अच्छी तरह से देखने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित किया। वरिष्ठ वकील आनंद ग्रोवर इस मामले से जुड़े हैं। वे इस मामले में दरबार महिला समन्वय समिति की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

पुलिस नहीं कर सकती गिरफ़्तार

आनंद ग्रोवर ने मीडिया को बताया ह्लसुप्रीम कोर्ट के आदेश ने सेक्स वर्कर्स कम्युनिटी के बीच अच्छा संदेश भेजा है। सेक्स वर्कर्स के साथ सम्मान और अच्छा किया जाना चाहिए न कि अपराधियों की तरह। उन्हें राशन कार्ड, पहचान पत्र और आधार कार्ड दिए जाने के अधिकार दिए गए हैं।

सेक्स वर्कर्स अपनी मजी से किसी सेक्सुअल एक्टिविटी में शामिल हैं और पुलिस छापेमारी होती है तो ऐसी स्थिति में पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती है। इसके लिए सेक्स वर्कर पर केस नहीं चलाया जा सकता।

सेक्स वर्कर्स का बढ़ता है सम्मान

सुप्रीम कोर्ट का ये आदेश सेक्स वर्कर्स के सम्मान को बढ़ाता है। सरकार को भी सेक्स वर्कर्स को जीवनयापन के लिए सुरक्षा, खाना, शेल्टर जैसी सुविधाएं देनी चाहिए ताकि उन्हें इस पेशे में रहने के लिए मजबूर न किया जाए। इसके लिए पुलिस को जवाबदेह होना पड़ेगा। साथ ही पुरुषों को भी इस मुद्दे पर संवेदनशील होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। अपनी मजी से सेक्स का काम करने वाली सेक्स वर्कर्स को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि केंद्र और राज्यों को कानूनों में सुधार के लिए सेक्स वर्कर्स या उनके प्रतिनिधियों को शामिल करना चाहिए।

सेक्स वर्कर्स के बच्चों का भी हक

कोर्ट ने कहा कि सेक्स वर्कर के बच्चे को सिर्फ इस आधार पर मां से अलग नहीं किया जा सकता कि वह देह व्यापार में है। गरिमा से जीवन जीना सेक्स वर्कर्स के साथ उनके बच्चों का भी हक है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई नाबालिग वेश्यालय में या सेक्स वर्कर के साथ रहती है तो ये नहीं माना जा सकता कि उसकी तस्करी की गई है।

सेक्स वर्कर और उनके बच्चे

कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर सेक्स वर्कर का दावा है कि, वह उसका बेटा या बेटी है तो सच पता करने के लिए टेस्ट किया जा सकता है। दावा सही है तो नाबालिग को जबरन अलग नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि अगर सेक्स वर्कर किसी ऐसे अपराध को लेकर शिकायत दर्ज करवाए जो यौन उत्पीड़न से जुड़ा हो तो उनके साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। यौन उत्पीड़न की शिकार सेक्स वर्कर्स को मेडिकल और कानूनी देखभाल की सुविधा मिलनी चाहिए।

पुलिस संवेदनशील बने

कोर्ट ने पुलिस को संवेदनशील होने की अपील करते हुए कहा कि ये देखा गया है कि सेक्स वर्कर्स के प्रति पुलिस का रवैया क्रूर होता है। कोर्ट ने कहा कि मीडिया को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि गिरफ्तारी या छापेमारी के दौरान किसी सेक्स वर्कर की पहचान उजागर न करें। चाहे इसमें आरोपी हो या पीड़ित। ऐसी किसी भी तस्वीर को न दिखाएं जिससे पहचान का पता न चले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा के लिए सेक्स वर्कर जो कंडोम इस्तेमाल करती हैं, पुलिस को उन्हें अपराध के सबूत के तौर पर नहीं लेना चाहिए।

नहीं बन रहे आधार कार्ड

आनंद ग्रोवर ने कोर्ट से कहा एड्रेस का प्रमाण न होने के कारण सेक्स वर्कर्स के आधार कार्ड नहीं बनाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यूआईडीएआई को नोटिस जारी कर इस बारे में घर का पता ना होने की स्थिति में उसे खत्म करने के संबंध में उनके सुझाव मांगे थे ताकि सेक्स वर्कर्स को आसानी से आधार कार्ड जारी किए जा सकें।

चिह्नित न करें कि सेक्स वर्कर हैं

यूआईडीएआई ने अपने हलफनामे में ये प्रस्तावित किया था कि जो सेक्स वर्कर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की सूची में हैं और वो आधार कार्ड के लिए आवेदन करती हैं लेकिन उनके पास निवास प्रमाण नहीं है तो उन्हें आधार कार्ड जारी किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर सेक्स वर्कर का आधार कार्ड बनाया जा रहा है तो उनके आधार कार्ड पर किसी भी तरह से ऐसे चिह्नित नहीं किया जा सकता जिससे पता लगे कि वे सेक्स वर्कर हैं।

पाकिस्तान की पावरी गर्ल दानवीर मोबिन का कहना है कि वायरल वीडियो ने उनकी जिंदगी बदल दी

उप-महाद्वीपों में पांच साल पुराने वीडियो आव पवारी हो राही है ह्यके वायरल होने के बाद 19 वर्षीय दानवीर मोबिन रातोंरात सनसनी बन गए। एक विशेष बातचीत में, पाकिस्तानी छात्र ने खुलासा किया कि वीडियो ने उसके जीवन को इस तरह से बदल दिया है कि उसने अपने जीवन में अधिक प्यार, प्रशंसा और कई नए लोगों को जोड़ा है। उसने कई नए व्यक्तियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाया है जो अब एक नया परिवार बन गए हैं और उन्हें ह्लडिजिटल परिवारह्व कहते हैं। वायरल वीडियो ने पहले से ही कई विपणन अभियानों, फिल्म सितारों और कई अन्य लोगों को अपने स्वयं के संस्करणों के साथ आने के लिए प्रेरित किया है।

पावरी गर्ल दानवीर मोबिन

यह पूछे जाने पर कि वायरल पवारी वीडियो के निमार्ता यशराज मुहाते ने कैसे उसे क्लिप दिखाया, उसने महसूस किया कि डेनिनेर ने कहा कि वह निश्चित रूप से आश्चर्यचकित थी। उसने पहले एक कंटेंट प्रोड्यूसर का काम देखा था, और विशेष रूप से वह गाना जो रासोडने में रैप था। वह कहती हैं कि यह उनके लिए एक खुशी का क्षण था क्योंकि यशराज ने वीडियो और संगीत के साथ जो काम किया वह वास्तव में रचनात्मक था।

दानवीर शाहरुख खान और करीना कपूर के स्व-भर्ती प्रशंसक हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सवाल होगा, वह बॉलीवुड सितारों से पूछना चाहेंगी। दानवीर का कहना है कि वह किंग खान से पूछना चाहता है, ह्लवह सबकुछ हासिल करने के बाद भी इतने जमीनी रहने का प्रबंधन कैसे करता है।ह्व उसने अभी तक अपना स्पर्श नहीं खोया है और वह उतना ही मीठा है जितना हो सकता है। करीना के लिए जिसे उन्होंने एक आइकन के रूप में संदर्भित किया, दानियार ने कहा कि अभिनेत्री में उनका आकर्षण है। वह सोचती है कि कैसे ये सितारे उद्योग में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं और अपने आप में सच्चे हैं। न केवल उसका, बल्कि उसका परिवार भी कभी खुशी कभी गम का बहुत बड़ा प्रशंसक है।

फिल्म में करीना के किरदार की शैली का जिक्र करते हुए, पू, डेनियर ने अपना स्वयं का संवाद समर्पित किया, जो प्रतिष्ठित भी हुआ। वह कहती है, ह्लये मुख्य रूप से, तू खुशी कभी गम है, और तुम सुंदर बन गए हो, और कुछ नहीं। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई।ह्व यह पूछे जाने पर कि क्या वह सहमत हैं कि उनका मेम दो देशों झ्र भारत और पाकिस्तान के बीच एक विश्वास निर्माणकर्ता बन गया है। , वह कहती है ह्लनिश्चित रूप से।ह्व वह आभारी है कि वह उस में नेतृत्व कर सकती है। उसने सीमा पार से प्यार देखा है और उसे उम्मीद है कि यहां से चीजें सुधरेंगी।

भारतीयों ने वीडियो को बड़े पैमाने पर पसंद किया है और डेनेयर ने केवल अपने पड़ोसी देश के नागरिकों के लिए प्यार किया है। 19 साल की उम्र में, उन्होंने इतनी लोकप्रियता देखी है, तो क्या वह फिल्मों में अपना करियर बनाना चाहेंगी? इस के लिए, वह कहती है कि यह जवाब देने के लिए जल्दी है कि वह अभी भी एवेन्यू की खोज कर रही है। वह अभी भी अपने परिवार के साथ चीजों पर चर्चा करती है और अन्य चीजों पर भी ध्यान देती है। हालाँकि, वह कहती है कि वह निकट भविष्य में इस पर विचार कर सकती है।

अपने और अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, डेनर ने उल्लेख किया कि उन्होंने अपने ए-स्तरों के साथ काम किया है और विश्वविद्यालय में आवेदन किया है, जो आगामी सितंबर में शुरू होता है। यह खैबर पख्तूनख्वा प्रांत, पेशावर, पाकिस्तान में स्थित है।

वह कहती है कि वह दोहराना चाहती है कि उसका पावरी वीडियो वास्तव में यादृच्छिक था और यह जानबूझकर नहीं था। हस्ताक्षर करके वह कहती है कि उसने अभी तक उसके लिए कुछ भी योजना नहीं बनाई है, लेकिन वह निश्चित है कि उसके ब्लॉग और YouTube चैनल पर जल्द ही नया सामान आने वाला है।

अचानक क्यों फटते हैं बादल, क्या पहले से हो सकती है भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल मॉनसून का मौसम भारत और पड़ोसी देशों में बारिश की सौगात लाता है, लेकिन कई बार यह बारिश तबाही का रूप ले लेती है। बादल फटना एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जो अचानक और भयावह तरीके से जान-माल का नुकसान करती है। हाल ही में भारत के उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पड़ोसी देश पाकिस्तान व नेपाल में बादल फटने की घटनाओं ने भारी तबाही मचाई है। आखिर बादल फटने का मतलब क्या है? यह क्यों होता है? क्या इसकी पहले से भविष्यवाणी करना संभव है? और सबसे जरूरी, इससे होने वाली तबाही को कैसे कम किया जा सकता है? आइए, इन सवालों के जवाब समझने की कोशिश करते हैं।

बादल फटने की तबाही-क्या होती है यह प्राकृतिक आपदा? : बादल फटना, जिसे अंग्रेजी में क्लाउडबर्स्ट कहते हैं, यह तब होता है जब बहुत कम समय में एक छोटे से क्षेत्र में भारी मात्रा में बारिश हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगर एक घंटे में 100 मिलीमीटर (10 सेंटीमीटर) से ज्यादा बारिश किसी 10-20 वर्ग किलोमीटर के छोटे क्षेत्र में होती है, तो इसे बादल फटना कहते हैं। आसान भाषा में कहें तो, यह ऐसा है जैसे किसी छोटी सी जगह पर आसमान से बाल्टी भर-भर कर पानी उड़ेल दिया जाए। यह बारिश इतनी तेज होती है कि जमीन उसे सोख नहीं पाती, जिससे अचानक बाढ़, भूस्खलन और तबाही मच जाती है। हाल के हफ्तों में, भारत और पाकिस्तान में बादल फटने की कई घटनाएं सामने आई हैं। उदाहरण के लिए, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में 5 अगस्त को बादल फटने से भारी तबाही हुई। इस घटना में कई लोगों की मौत हुई, दर्जनों से ज्यादा लोग लापता हुए, और गांव का एक बड़ा हिस्सा मलबे में दब गया। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 14 अगस्त को मचैल माता मंदिर के पास बादल फटने से 60 से ज्यादा लोगों की जान चली गई, और कई लोग लापता हैं। पाकिस्तान में भी स्थिति कम भयावह नहीं है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 14-15 अगस्त को बादल फटने और अचानक बाढ़ आने से 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बाजौर, स्वात, और बटाग्राम जैसे इलाकों में भारी तबाही हुई, जहां सैकड़ों लोग लापता हैं और हजारों घर नष्ट हो गए। हिमालय की गोद में बसे पड़ोसी देश नेपाल का भी कुछ ऐसा ही हाल है।

क्यों फटते हैं बादल? : बादल फटने की घटना कोई रहस्यमयी नहीं है, बल्कि यह प्रकृति की एक जटिल प्रक्रिया का नतीजा है। इसे समझने के लिए हमें इसके कारणों को देखना होगा

पहाड़ी भूगोल और हवाएं: बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ी इलाकों में होती हैं, जैसे हिमालय या पश्चिमी घाट। जब नमी से भरी गर्म हवाएं समुद्र (जैसे बंगाल की खाड़ी या अरब सागर) से उठकर पहाड़ों से टकराती हैं, तो वे ऊपर उठती हैं। इस प्रक्रिया को ओरोग्राफिक लिफ्टिंग कहते हैं। ऊपर ठंडी हवा से मिलने पर ये नमी घने बादलों में बदल जाती है, जो अचानक भारी बारिश में तब्दील हो जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन: ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र का तापमान बढ़ रहा है, जिससे हवा में नमी की मात्रा बढ़ रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से हवा में 7 प्रतिशत ज्यादा नमी जमा हो सकती है। यह नमी बादल फटने की घटनाओं को और तीव्र बनाती है।

मानवीय गतिविधियां- जंगलों की कटाई, अनियोजित निर्माण, और पहाड़ों पर बस्तियां बसाना इस खतरे को बढ़ाता है। पेड़ों की कमी से मिट्टी पानी को सोख नहीं पाती, और गलत निर्माण से पानी का बहाव बाधित होता है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है।

मॉनसून का प्रभाव: मॉनसून के दौरान नमी से भरे बादल

हिमालय से टकराते हैं, जिससे भारी बारिश होती है। कभी-कभी पश्चिमी विक्षोभ भी इस प्रक्रिया को और तेज करते हैं।

क्या बादल फटने की भविष्यवाणी संभव है? : बादल फटना एक ऐसी आपदा है, जिसकी सटीक भविष्यवाणी करना मौसम वैज्ञानिकों के लिए आज भी चुनौती है। इसके कई कारण हैं

छोटा क्षेत्र, कम समय: बादल फटने की घटना बहुत छोटे क्षेत्र (1-2 किलोमीटर) में और कुछ ही मिनटों में होती है। मौसम रडार और सैटेलाइट बड़े क्षेत्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं, इसलिए इतने छोटे स्तर पर सटीक डेटा जुटाना मुश्किल है।

तेजी से बदलते हालात: नमी, हवा की गति, और तापमान जैसी परिस्थितियां मिनटों में बदल सकती हैं। मौजूदा तकनीक इतनी तेजी से इन बदलावों को पकड़ने में पूरी तरह सक्षम नहीं है।

पहाड़ी इलाकों की जटिलता: हिमालय जैसे क्षेत्रों की भौगोलिक बनावट मौसम के पैटर्न को जटिल बनाती है। पहाड़ हवाओं को प्रभावित करते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बादल बनते और फटते हैं। हालांकि, कुछ प्रगति हुई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) अब डॉप्लर रडार और सैटेलाइट जैसे उपकरणों का उपयोग करके भारी बारिश की संभावना की चेतावनी देता है। उदाहरण के लिए, मौसम और आईएमडी वेदर जैसे मोबाइल ऐप्स के जरिए अलर्ट जारी किए जाते हैं। लेकिन सटीक स्थान और समय की भविष्यवाणी अभी भी मुश्किल है।

भारत और पाकिस्तान में हाल की तबाही

भारत : इस साल मॉनसून में बादल फटने की घटनाएं हिमालयी राज्यों में बढ़ी हैं। उत्तराखंड के धराली में 5 अगस्त को हुई तबाही में मलबे ने गांव को बर्बाद कर दिया। किश्तवाड़ में 14 अगस्त को मचैल माता यात्रा मार्ग प्रभावित हुआ, और 60 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और शिमला में भी बादल फटने से सड़कें, घर, और खेत बह गए।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में 14-15 अगस्त को बादल फटने से 300 से ज्यादा लोग मारे गए। बाजौर में 21, शांगला में 36, और बटाग्राम में 15 लोगों की मौत हुई। मूसलाधार बारिश ने गांवों को बहा दिया, और राहत कार्यों में देरी हुई क्योंकि कई लोग लापता हैं।

बचाव और सावधानियां

बादल फटने की घटनाओं को पूरी तरह रोकना असंभव है, लेकिन सही कदमों से नुकसान को कम किया जा सकता है। यात्रा से पहले आईएमडी या स्कायमेट वेदर जैसे स्रोतों से मौसम अपडेट लें। भारी बारिश की चेतावनी हो तो पहाड़ी इलाकों की यात्रा टालें। खासतौर से मॉनसून के दौरान टॉर्च, पानी, सूखा भोजन, प्राथमिक चिकित्सा किट, और जरूरी दस्तावेज तैयार रखें। नदियों, नालों, या ढलानों के पास न रुकें। ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर जाएं। पहाड़ों पर अनियोजित निर्माण रोकें और जंगलों की कटाई पर नियंत्रण करें। पेड़ मिट्टी को बांधे रखते हैं, जिससे भूस्खलन का खतरा कम होता है। मौसम विभाग को और अधिक डॉप्लर रडार और हाई-रिजॉल्यूशन मॉडल्स की जरूरत है, ताकि स्थानीय स्तर पर भविष्यवाणी बेहतर हो।

संक्षिप्त समाचार

किश्तवाड़ आपदा-जीएमसी जम्मू के चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल 25 लोगों की बड़ी सर्जरी की

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) एवं अस्पताल ने किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना से उत्पन्न चिकित्सा संकट से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाई तथा गंभीर रूप से घायल 25 लोगों की जटिल सर्जरी कर उनकी जान बचाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष गुप्ता ने बताया, 14 अगस्त की रात को गंभीर रूप से घायल 66 मरीजों को जीएमसी जम्मू ले आया गया। उसी रात लोगों की जान बचाने के लिए लगभग 25 बड़ी सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि अगले दिन भी चिकित्सा देखभाल जारी रही तथा और सर्जरी की गईं। यह आपदा 14 अगस्त को अपहाह्न लगभग 12-30 बजे मचैल माता मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले चिशोती गांव में आई, जिसमें 60 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। बादल फटने से आई बाढ़ के बाद अब तक 82 लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनमें 81 तीर्थयात्री और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का एक जवान शामिल है।

बलिया में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

बलिया , एजेंसी। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार उभांव थाना क्षेत्र के चंदायल कला गांव के इंद्रजीत राजभर (25) और धनंजय वर्मा (29) शनिवार रात देवरिया जिले के भागलपुर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर खरीदारी कर घर लौट रहे थे तभी उन्हें तुर्तीपार गांव के निकट एक ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस के बताया कि घटना के बाद दोनों युवकों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सीयर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ में थाना परिसर में पुलिस अधिकारी ने की आत्महत्या

बालोद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर थाना परिसर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृतक पुलिसकर्मी का नाम हीरामन मंडावी (48) था, जो कि जिले के दल्लीराजहरा थाना के बैरक में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत थे और थाने के बैरक में ही रहते थे। वह सुबह अपने बैरक में फंदे पर लटके हुए मिले।

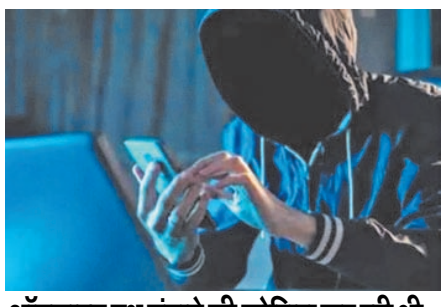

ऑनलाइन दूध मंगाने की कोशिश कर रही थी बुजुर्ग महिला, खातों से 18.5 लाख रुपए उड़े

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की वडाला निवासी एक महिला को एक ऑनलाइन एप के जरिए दूध मंगाना महंगा पड़ गया। पुलिस के मुताबिक 71 वर्षीय महिला ने दूध ऑर्डर करने की कोशिश के दौरान अपने खातों से करीब 18.5 लाख रुपए गंवा दिए। एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने इस महीने की शुरुआत में ही दो दिनों के भीतर अपनी पूरी जमा पूंजी गंवा दी।

रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने 4 अगस्त को दूध ऑर्डर करने की कोशिश की। लेकिन वह उसमें नाकाम रही। इसके बाद उसे एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने अपना परिचय दूध कंपनी के ही एक अधिकारी दीपक के रूप में दिया। महिला का थोड़ा भरोसा जीतने के बाद ठग ने महिला को उसके फोन पर एक लिंक भेज कर दूध ऑर्डर करने की जानकारी मांगी। इसके बाद ठग ने कहा कि वह (महिला) बिना कॉल कट किए लिंक पर क्लिक करे। लेकिन काफी कोशिश के बाद भी वह सफल नहीं हो पाई, झुंझलाकर महिला ने कॉल कट कर दिया। मामला यहीं शांत नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि अगले दिन महिला को उसी व्यक्ति का एक बार फिर फोन आया और उसने महिला से फिर से वही जानकारी दोहराने के लिए कहा, जिसे महिला ने दोहरा दी। आरोपी ने उसी समय महिला का फोन हैक कर लिया।

पैर में गोली, हाथ में हथकड़ी, फिर भी अस्पताल से फरार हो गया दरोगा की मां का हत्यारोपी

बदायूं, एजेंसी। यूपी के बदायूं में 12 अगस्त की रात एक दरोगा मनवीर सिंह की मां की गला रेतकर निर्मम हत्या करने का आरोपी धीरेंद्र सिंह पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गया है। बदायूं के इस्लामपुरनगर थाने की पुलिस ने शनिवार की देर रात उसे अलीपुर जंगल में एक एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया था। उसके पैर में गोली लगी थी जिसके इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से रविवार तड़के वह फरार हो गया। धीरेंद्र जिस बेड पर एडमिट था उसके सिरहाने पर एक हथकड़ी लगाई थी जिसमें संभवत- उसका एक हाथ लॉक किया गया होगा। इसके अलावा पहरा भी था। लेकिन इन सबको धता बताते हुए हत्यारोपी हिस्ट्रीशीटर अस्पताल से फरार हो गया। जाहिर है, उसके इस तरह फरार होने लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। धीरेंद्र को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस ने उसके पास से हत्या में इस्तेमाल की गई हंसिया, तमंचा, कारतूस और लूटा गया सामान बरामद किया गया था। मुठभेड़ में घायल होने पर उसका मेडिकल रूदायन सीएचसी में कराया गया और इसके बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया था। एक्स-रे रिपोर्ट आने तक धीरेंद्र को हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार तड़के करीब 5-30 बजे वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फरारी के समय वार्ड में हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह और सिपाही कुशहर ड्यूटी पर मौजूद थे। आरोपी की तलाश में सिविल लाइंस, कोतवाली, एसओजी की पुलिस टीम ने लगाई हैं। पुलिस धीरेंद्र

को रोडवेज बस अड्डा, जंगलों और संवेदनशील स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। साथ ही अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बताते चलें कि धीरेंद्र ने 12 अगस्त की रात हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ चौकी क्षेत्र में तैनात दरोगा मनवीर सिंह की मां ज्ञानदेवी उर्फ रातरानी की लूट के बाद हत्या कर दी थी। धीरेंद्र पर पहले से ही 12 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और वह हिस्ट्रीशीटर घोषित है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात के चार दिन बाद उसे मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था, लेकिन जिला अस्पताल से फरारी ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस की चुस्ती पर उठे सवाल

जिला अस्पताल से हिस्टीशीटर और एक दरोगा की मां के हत्यारोपी के फरार होने से बदायूं पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। लोग पुलिस की चुस्ती पर सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल के हड्डी वार्ड में भर्ती धीरेंद्र सिंह वार्ड में सुरक्षा के लिए तैनात हेड कांस्टेबल और सिपाही की मौजूदगी में फरार हुआ है। सिविल लाइंस और कोतवाली पुलिस बस अड्डे से लेकर जंगल तक उसकी सर्च ऑपरेशन चला रही है।

78 साल के बाद बदलने वाला है प्रधानमंत्री का दफ्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ वर्तमान में साउथ ब्लॉक में स्थित है। अगले महीने एग्जिक्यूटिव एन्क्लेव में शिफ्ट होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत तैयार किए गए इस नए एन्क्लेव में प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और अत्याधुनिक कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा भी होगी। यह नया पीएमओ प्रधानमंत्री के आवास के भी अधिक निकट होगा। नए भवनों के निर्माण की आवश्यकता मुख्य रूप से जगह की कमी और पुराने दफ्तरों में आधुनिक सुविधाओं के अभाव के कारण महसूस की गई थी। प्रधानमंत्री ने हाल ही में गृह मंत्रालय और कार्मिक मंत्रालय के नए कार्यालय कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन करते हुए कहा था कि प्रशासनिक मशीनरी अब भी ब्रिटिश कालीन इमारतों से काम कर रही थी, जिनमें पर्याप्त जगह, रोशनी और वेंटिलेशन की कमी थी। सूत्रों के मुताबिक, नए पीएमओ को नया नाम भी दिया जा सकता है, जो 'सेवा' की भावना को दर्शाए। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले संबोधन में कहा था, पीएमओ जनता का होना चाहिए, यह मोदी का पीएमओ नहीं है।

भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी के चलते हुआ, कांग्रेस का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी के कारण हुआ। साथ ही उसने सत्तारूढ़ भाजपा पर देश के इतिहास को विकृत करने का प्रयास करते हुए संस्थानों में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देश के इतिहास का सबसे बड़ा खलनायक करार दिया और कहा कि आने वाली पीढ़ियां उसे माफ नहीं करेंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर जारी विशेष पाठ में भारत के बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पुस्तक में हिंदू महासभा की ओर से मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार बनाने और विभाजन से पहले दोनों द्वारा यह प्रचार करने के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है कि हिंदू और मुसलमान एक देश में एक साथ नहीं रह सकते। एनसीईआरटी की किताब के बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने कहा, 'विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी के कारण हुआ। अगर इतिहास में कोई सबसे बड़ा खलनायक है तो वह आरएसएस है।

आने वाली पीढ़ियां उनके कृत्यों को माफ नहीं करेंगी।' कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, 'जिस तरह से वे संस्थाओं में दखलअंदाजी कर रहे हैं और इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम चुप नहीं बैठेंगे। क्या वे 1938, 1940 और 1942 के ये पन्ने हटा सकते हैं?' कांग्रेस नेता ने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी मोहम्मद अली जिन्ना की मजार पर श्रद्धांजलि देने गए थे, क्योंकि हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग विभाजन की मांग में एक साथ थे।

एनसीईआरटी की किताब में बंटवारे वाले चैप्टर पर बवाल, जिन्ना के नाम पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

नई? दिल्ली, एजेंसी। एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में बंटवारे के लिए कांग्रेस और जिन्ना को जिम्मेदार ठहराया गया तो इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है जिन्ना को समझने की भूल हुई और इसलिए देश को बंटवारे की विभीषिका का सामना करना पड़ा। हालांकि एनसीईआरटी का यह मॉड्यूल रेग्युलर सिलेबस नहीं है। इस चैप्टर में बताया गया है कि बंटवारे की एक वजह कांग्रेस भी थी।

इसके अलावा मोहम्मद अली जिन्ना को बंटवारे का असली जिम्मेदार बताया गया है। इसपर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए। उन्होंने कहा कि आखिर बंटवारे के लिए किसी विशेष वर्ग को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मॉड्यूल में कहा गया है कि बंटवारे के लिए प्रमुख तीन कारण जिम्मेदार थे। पहले थे

जिन्ना, जो कि मुस्लिमों के लिए अलग देश की मांग कर रहे थे। दूसरी थी कांग्रेस जिसने जिन्ना की मांग को स्वीकार किया और तीसरा माउंटबेटन जिन्होंने इसे अमली जामा पहना दिया। कांग्रेस और विपक्ष का कहना है कि चैप्टर में पक्षतापूर्ण तरीके से जानकारी दी गई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि ऐसी किताब को आग लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा, सच तो यह है कि मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा की वजह से देश का विभाजन हुआ था। वहीं बीजेपी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि देश का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और जिन्ना की सोच में कोई अंतर नहीं है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, एनसीईआरटी को अगर बंटवारे के बारे में पढ़ाना ही है तो शम्सुल इस्लाम की मुस्लिम अगेंस्ट पार्टीशन किताब सिलेबस में शामिल की जानी चाहिए। इसी तरह झूठ को फैलने से रोका जा सकता है। ओवैसी ने कहा कि बंटवारे के लिए आखिर मुसलमान कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं? जो लोग भाग गए वे तो भाग ही गए और जो वफादार थे, वे ठहर गए। एनसीईआरटी के सेकंडरी स्टेज मॉड्यूल में कहा गया है कि भारत के नेताओं के पास उस समय प्रशासन का अनुभव नहीं था। उस वक्त सेना, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र की समझ भी नहीं थी।

गुरुग्राम में मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में लूट, कैश और सोना लेकर बदमाश फरार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में शीतला माता रोड पर मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बताया जाता है कि वारदात को 4 से 5 आरोपियों ने अंजाम दिया। आरोपी कुछ कैश और सोना लेकर फरार हो गए। बदमाशों ने लूट की वारदात के दौरान मणप्पुरम गोल्ड के ऑफिस में मौजूद 3 कर्मचारियों को घायल भी कर दिया। गुरुग्राम पुलिस वारदात की छानबीन कर रही है। फिलहाल विस्तृत जानकारी का इंतजार है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को शीतला माता रोड पर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन की एक शाखा में ऑडिटर बनकर दाखिल हुए सशस्त्र बदमाशों ने कर्मचारियों को बंधक बनाकर नौ लाख रुपये कैश और सोने के जेवरात लूट लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर समेत दो कर्मचारियों को हथियार के बट से मारकर घायल कर दिया।

वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। इससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना शनिवार शाम करीब 6-00 बजे की है। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, 2-3 बदमाश मणप्पुरम गोल्ड कंपनी के कार्यालय में पहुंचे और सुरक्षाकर्मी को फर्जी ऑडिटर कार्ड दिखाकर अंदर दाखिल हो गए। उनके पीछे कुछ और साथी भी शाखा में घुस आए। अंदर आते ही एक बदमाश ने पिस्तौल निकाल ली और सभी कर्मचारियों को गन प्वाइंट पर ले लिया।

बदमाशों ने खुद को कंपनी का ऑडिटर बताते हुए जांच करने का झांसा दिया था। बदमाशों ने कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देते हुए लॉकर में रखे सोने के जेवरात को एक बैग में भरने को कहा। बताया जाता है कि जब कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर कृष्णा और एक अन्य कर्मचारी ने इसका विरोध करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनके सिर पर पिस्तौल के बट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सहमे हुए बाकी कर्मचारियों ने करीब नो लाख रुपये के सोने के जेवरात बदमाशों के हवाले कर दिए।

महज 10 से 15 मिनट में पूरी वारदात को अंजाम देकर बदमाश हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-5 थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायल कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। पुलिस ने शाखा में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले ली है। पुलिस बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। गुरुग्राम पुलिस ने पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी है और बदमाशों की तलाश में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वारदात को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया गया है।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर योगी आएंगे अलीगढ़ 21 अगस्त को हिन्दू गौरव दिवस का आयोजन

अलीगढ़, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर 21 अगस्त को यूपी के अलीगढ़ में हिन्दू गौरव दिवस का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व दोनों उप मुख्यमंत्री शिरकत करेंगे। 15 दिन में दूसरी बार मुख्यमंत्री का आगमन जनपद में होने जा रहा है। तालानगरी में होने वाले कार्यक्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन व संगठन के स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पूर्व सीएम कल्याण सिंह का देहांत 21 अगस्त 2021 को हुआ था। उनके देहांत के बाद पुण्यतिथि का पहला आयोजन लखनऊ में

हुआ था। इसके बाद दूसरा आयोजन अलीगढ़ के नुमाइश परिसर में हुआ। तीसरी पुण्यतिथि लखनऊ में मनाई गई। चौथी पुण्यतिथि अलीगढ़ में होगी। पहले इस आयोजन को अयोध्या में कराए जाने की तैयारी थी। हालांकि, अब इसे एक बार फिर अलीगढ़ में ही मनाने की तैयारी है। इसके लिए आयोजन किया जाना है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश के शिक्षा राज्यमंत्री व पूर्व सीएम के पौत्र संदीप सिंह, पूर्व सांसद व पुत्र राजवीर सिंह राजू, सांसद सतीश गौतम व अन्य विधायक और संगठन के पदाधिकारी तालानगरी में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पहुंचे। जहां एसएसपी संजीव सुमन व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की। हालांकि अभी किसी भी वीआईपी का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार आयोजन दोपहर 12 बजे से होगा।

एशिया कपः

टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाला बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप-2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है। इस बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। यूं तो टी20 फॉर्मेट चौके और छक्कों की बरसात के लिए जाना जाता है, लेकिन हम उस खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके नाम एशिया कप (टी20 फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड है। यह खिलाड़ी बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा हैं, जो तीन बार शून्य पर अपना विकेट गंवा चुके। दिलचस्प बात यह है कि मुर्तजा तीनों बार एक ही संस्करण में बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

मशरफे मुर्तजा ने एशिया कप-2016 में पांच मुकाबले खेले थे, जिसमें 22.80 की औसत के साथ कुल पांच विकेट अपने नाम किए। भले ही गेंदबाजी में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन बल्लेबाजी में यह क्रिकेटर कुछ खास नहीं कर सका। मशरफे मुर्तजा पांचों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे और 3.50 की औसत के साथ महज 14 रन ही बना सके। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ दो ही चौके देखने को मिले। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में चरिथ असलंका, आसिफ अली, किंचित शाह, कुसल मेंडिस, हार्दिक पांड्या और दासुन शनाका संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। यह खिलाड़ी दो-दो बार बगैर खाता खोले पवेलियन लौटे हैं।

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 10 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा, जिसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना तीसरा मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें हैं, जबकि ग्रुप-बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हांगकांग-चाइना और अफगानिस्तान की टीमें शामिल हैं।

सिनसिनाटी ओपनः

एक बार फिर आमने-सामने होंगे कार्लोस अल्कारेज और सिनर

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन का फाइनल सोमवार को खेला जाएगा। यह लगातार चौथा मौका होगा जब अल्कारेज और सिनर किसी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने हाल ही में विंबलडन के फाइनल में अल्कारेज को हराया था। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर एक बार फिर आमने-सामने होंगे। अल्कारेज और सिनर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज की और अब ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन के खिताबी मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे। सिनर ने फ्रांस के टेरेंस एटमाने को 7-6, 6-2 से हराया। सिनर की हार्ड कोर्ट में यह लगातार 26वीं जीत है। दूसरी ओर, अल्कारेज में एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को हराकर टूर स्तर के लगातार सातवें फाइनल में जगह बनाई।

जसप्रीत बुमराह एशिया कप में खेलेंगे या नहीं?

सेलेक्टर्स से कह दी अपने मन की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. इस बार एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 9 सितंबर को होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. एशिया कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा बूस्ट मिला है. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुद को इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध बताया है.

रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को सूचित किया है कि वो पूरी तरह से फिट हैं और टी20 फॉर्मेट में होने जा रहे इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है, इसके लिए मुंबई में चयनकर्ताओं की बैठक होगी. एक सूत्र ने इस अंग्रेजी अखबार से कहा, जसप्रीत बुमराह ने चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि वो एशिया कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे. चयन समिति अगले हफ्ते बैठक करके इस पर चर्चा करेगी.

गौतम गंभीर ने तैयार कर लिया भविष्य का रोडमैप; यहां समझें क्या है प्लान

तीनों फॉर्मेट में होगा एक कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर अच्छे हेड कोच साबित हुए हैं या नहीं? व्हाइट बॉल मैचों की बात करें तो हां, गंभीर की रणनीतियां टीम इंडिया के पक्ष में रही हैं. वहीं टेस्ट फॉर्मेट में उनके अंडर भारतीय टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज ड्रॉ करवाने के बाद गौतम गंभीर का चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ नजर आया था. बताते चलें कि गंभीर 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक भारतीय कोच बने रहेंगे और बतौर कोच पहले ही साल में उन्होंने कुछ कड़े फैसले लिए हैं. अगले 2 साल में आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स की बात करें तो सबसे पहले एशिया कप 2025 की चुनौती होगी. उसके बाद फोकस 2026 टी20 वर्ल्ड कप पर शिफ्ट हो जाएगा, लेकिन इसी दौरान टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में अच्छी स्थिति बरकरार रखनी होगी. उसके बाद 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप के लिए भी गंभीर को सख्त फैसले लेंगे होंगे, खासतौर पर अभी तक विराट कोहली और रोहित शर्मा पर कुछ साफ नहीं है. यहां जानिए बतौर कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के भविष्य के लिए कैसा रोडमैप तैयार कर रहे हैं?

सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास किया-एशिया कप में भारत की कप्तानी करेंगे, 19 अगस्त को टीम सिलेक्शन में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब वे 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 34 साल के सूर्यकुमार 19 अगस्त को मुंबई में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ मिलकर 15 सदस्यों वाली भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद वापसी

सूर्यकुमार यादव ने जून 2025 में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया (लोअर-राइट एब्डॉमेन) की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब प्रोग्राम पूरा किया और अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन खत्म होने के बाद वे विशेषज्ञ से सलाह लेने के लिए यूनाइटेड किंगडम भी गए थे। उन्होंने सर्जरी के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था- लाइफ अपडेट, निचले-दाएं पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई। सर्जरी सुचारू रही और मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद है।

तीनों फॉर्मेट में हो एक कप्तान

इसी साल गौतम गंभीर ने कहा था कि वो तीनों फॉर्मेट में एक कप्तान के साथ काम करना चाहते हैं, क्योंकि एक ही कप्तान के साथ काम करना आसान हो जाता है. साथ ही उन्होंने इसकी जटिलता को भी उजागर किया. गंभीर का कहना था कि टीम इंडिया साल में काफी ज्यादा क्रिकेट खेलती है, ऐसे में ऐसा कप्तान ढूंढ निकालना बहुत मुश्किल होगा, जो तीनों फॉर्मेट खेलता हो. इन दिनों चर्चा है कि भारतीय टीम को तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान दिया जा सकता है. इसके लिए शुभमन गिल का नाम सामने आया है, जिन्होंने बतौर कप्तान इंग्लैंड में जाकर अपनी पहली टेस्ट ड्रॉ करवाई है. अनुभव के साथ गिल बतौर टेस्ट कप्तान और भी अधिक परिपक्व होते जाएंगे. हाल ही में यह खबर भी सामने आई कि रोहित शर्मा चाहे 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप खेलें, लेकिन वो तब तक कप्तान बने रहेंगे या नहीं, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता. इससे उन संभावनाओं को जन्म मिला है कि ओडीआई कप्तानी भी जल्द शुभमन गिल के कंधों पर आ सकती है. मामला अटक जाता है टी20 कप्तानी पर, जो अभी सूर्यकुमार यादव के पास है. गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत हर एक टी20 सीरीज जीता है. चूंकि गंभीर खुद एक कप्तान के साथ काम करने की इच्छा जता चुके हैं, इसलिए बहुत हद तक संभव है कि अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया का कायापलट कर सकते हैं.

नए खिलाड़ियों पर भरोसा

पिछले एक साल में यह भी साफ हुआ है कि गौतम गंभीर युवाओं पर भरोसा दिखा रहे हैं. टी20 टीम में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और अर्शदीप सिंह ने लगातार कमाल का प्रदर्शन किया है. वहीं टेस्ट टीम का भार उठाने के लिए शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल तो हैं ही, साथ ही आकाशदीप, साई सुदर्शन और नितीश कुमार रेड्डी जैसे युवाओं को भी तैयार किया जा रहा है. वनडे फॉर्मेट में अभी रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर मौजूद हैं, जिनपर ऑस्ट्रेलियाई टूर के बाद फैसला लिए जाने की अटकलें हैं.

झारखंड की बेटियों ने चमकाया नाम, भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ियों का चयन

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में झारखंड की सात प्रतिभाशाली बेटियों का चयन हुआ है। यह टीम 20 से 31 अगस्त तक भूटान में आयोजित होने वाली विश्व फुटबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

गुमला की पांच, रांची और हजारीबाग की एक-एक खिलाड़ी का चयन

चयनित खिलाड़ियों में गुमला जिले से सूरज मुनि, एलिजाबेथ लाकड़ा, अनीता, विनीता और शिवानी शामिल हैं। इसके अलावा रांची (ओरमांझी) की दिव्यानी लिंडा और हजारीबाग की अनुष्का कुमारी को भी भारतीय टीम में जगह मिली है। इन सातों खिलाड़ियों के चयन से उनके परिवारों और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।

'मेहनत और अनुशासन का नतीजा है चयन'

भारतीय टीम के कोच अनवारूल हक ने कहा कि झारखंड की ये सातों खिलाड़ी बेहद मेहनती और अनुशासित हैं। उनके अनुसार, खिलाड़ियों का चयन उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। हमें विश्वास है कि ये बेटियां भूटान में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। काफा नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में सुनील तो हैं, लेकिन वह छेत्री नहीं हैं। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली टीम का चयन करते हुए खालिद जमील ने कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया है। इनमें सेना के डिफेंडर सुनील बेंचमिन भी शामिल हैं, जिन्होंने डूरंड कप के दौरान ध्यान खींचा।

खालिद जमील की टीम से बड़ा नाम गायब है। यह बड़ा नाम सुनील छेत्री हैं, जो 2024 में संन्यास ले चुके थे। इस साल संन्यास से वापस लौटे। वह अब 29 अगस्त से ताजिकिस्तान के हिसोर में होने वाले मध्य एशियाई टूर्नामेंट के लिए भारत 35 खिलाड़ियों की संभावित सूची में भी शामिल नहीं हैं।

छेत्री को बाहर रखने का कारण नहीं आया सामनेः इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है कि छेत्री को टीम में क्यों नहीं शामिल किया गया है। न तो खिलाड़ी की ओर से और न ही महासंघ की ओर से कुछ कहा गया है। महासंघ ने कहा कि 'चयन संबंधी सवाल मुख्य कोच से पूछे जाने चाहिए।' जमील ने भी कोई बयान नहीं दिया।

छेत्री के क्लब ने सैलरी रोकीः छेत्री को ऐसे समय पर नजरअंदाज किया गया है जब उनके क्लब बेंगलुरु एफसी ने हाल ही में इंडियन सुपर लीग को लेकर अनिश्चितता के कारण पहली टीम और कर्मचारियों के वेतन रोक दिए हैं। फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (लीग का संचालन करने वाली संस्था) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच समझौते के विस्तार को लेकर गतिरोध और सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले के कारण आईएसएल का भविष्य अधर में है।

बेंगलुरु के इन खिलाड़ियों को मिला मौकाः जमील की टीम में बेंगलुरु के अन्य खिलाड़ी हैं, जिनमें गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं।

छेत्री मार्च में संन्यास से लौटेः 41 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संन्यास ले लिया था। हालांकि, मार्केज के अशांत कार्यकाल में भारत के गोल करने और मैच जीतने में संघर्ष करने के बाद छेत्री मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में संन्यास से लौटे।

आईएसएल के 11 क्लबों ने एआईएफएफ को पत्र लिखकर दी चेतावनी, गतिरोध का हल नहीं निकलने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। आईएसएल का गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है जिस कारण चिंता बनी हुई है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

क्लबों ने पत्र में कहा, पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। यह प्रगति अब पतन

की ओर बढ़ने लगी है। मौजूदा परिस्थितियों ने तत्काल और गंभीर परिणाम उत्पन्न किए हैं। मौजूदा समय में संचालन निलंबित होने और लीग की निरंतरता पर कोई निश्चितता नहीं होने के कारण कई क्लबों को पूरी तरह से बंद होने की वास्तविक संभावना का सामना करना पड़ रहा है।

अनिश्चितकाल के लिए रुका है आईएसएल का सत्र

एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके बाद कम से कम तीन क्लबों ने अपनी मुख्य टीम के संचालन को रोक दिया है या खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन को निलंबित कर दिया है। क्लबों ने लिखा, यह केवल प्रशासनिक गतिरोध नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक अस्तित्व का संकट है। हम आपको सबसे गंभीर परिस्थितियों में लिख रहे हैं। लीग की अनिश्चितता के कारण पिछले एक दशक से प्रशंसकों, प्रायोजकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल निकायों के साथ बड़ी मेहनत से बनाया गया विश्वास पर खतरा मंडरा रहा है। इससे लीग को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

चोट से वापसी के बाद चमके लियोनल मेसी, इंटर मियामी की जीत में दिया योगदान; दागा एक गोल

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने चोट से वापसी पर चमक बिखेरी और इंटर मियामी की जीत में योगदान दिया। दर्शकों के भारी समर्थन के बीच मेसी ने भी अपने प्रदर्शन से फैंस को निराश नहीं किया।

स्टेडियम में लगातार मेसी... मेसी के नारे गूंजते रहे। मेसी ने मैच में एक गोल किया, जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) फुटबॉल टूर्नामेंट में एलए गैलेक्सी पर 3-1 से जीत दर्ज की। मेसी चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे। लेकिन उन्होंने इस मैच से वापसी की। मेसी को दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी।

सार समाचार

मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह, सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह में विश्वविद्यालय की माननीय कुलाधिपति श्रीमती प्रीति पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, वहीं प्रतिकुलाधिपति डॉ. अजीत सिंह पटेल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सुबह ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात राष्ट्रगान हुआ। फिर मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के ठउउ कैडेट्स के द्वारा परेड की गई अपने प्रेरणादायी संबोधन में श्रीमती प्रीति पटेल ने स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में उत्कृष्ट कार्य करने का आह्वान किया। डॉ. अजीत सिंह पटेल ने कहा कि युवाओं को शिक्षा, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, वाद्य संगीत, कविताएँ और भाषण प्रस्तुत किए। संकाय सदस्यों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने समारोह को अविस्मरणीय बना दिया। अंत में राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं एकता बनाए रखने की शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अर्चना तिवारी की बुदनी के जंगलों में तलाश जारी, तीन विभागों की टीम कर रही सर्चिंग

अर्चना पटेल, डीएफओ सीहोर। इंदौर से कटनी जा रही एक सिविल जज की तैयारी कर रही छात्रा अर्चना तिवारी पिछले 11 दिनों से लापता है। पुलिस, वन विभाग और रेलवे पुलिस की टीम अब जिले के मिडघाट के घने जंगलों में भी तलाश की जा रही है। अब तक की जारी पड़ताल में फिलहाल टीम को कोई सफलता नहीं मिली है।

गौरतलब है कि अर्चना तिवारी 7 अगस्त को इंदौर से कटनी जाने के लिए इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस में एसी कोच की टॉप बर्थ पर सवार हुई थी। रात करीब 10.16 बजे उसने अपनी चाची से फोन पर

बात की थी। यह ट्रेन रात 10.05 बजे भोपाल से निकलती है और 11.26 बजे नर्मदापुरम पहुंचती है। इसी 1 घंटे 21 मिनट के सफर के दौरान अर्चना के साथ क्या हुआ, यह एक रहस्य बना हुआ है।

कटनी में नहीं उतरी ट्रेन से- अर्चना अगले दिन कटनी में ट्रेन से नहीं उतरी। उसका बैग उमरिया स्टेशन पर उसकी सीट पर ही मिला, लेकिन अर्चना का कोई पता नहीं चला। पुलिस को संदेह है कि शायद वह चलती ट्रेन से गिर गई हो। उसकी सीट दरवाजे के पास थी और कई बार यात्री नींद के झोंके में वॉशरूम जाने के लिए उतरते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इस रूट पर नर्मदा नदी भी है, इसलिए नदी में भी गोताखोरों की टीम ने तलाशी ली, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

4 टीमें कर रही तलाश - जीआरपी और वन विभाग की 4 संयुक्त टीमों ने 25 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक पर 10 किलोमीटर अंदर तक घने जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। टीमों का फोकस है कि कोई भी अहम सुराग छूटना नहीं चाहिए।

सर्चिंग में जुटे हैं

सर्चिंग अभियान के लिए पुलिस द्वारा वन विभाग की भी मदद मांगी गई थी। वन विभाग का अमला भी सर्चिंग अभियान में मुस्तैदी से जुटा हुआ है। फिलहाल कोई सफलता नहीं मिली है।

बिजली कंपनियों को लौटाने होंगे 376 करोड़

भोपाल। मप्र देश के सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्यों में शामिल है। लेकिन विडंबना यह है कि यहां के उपभोक्ताओं को कंपनियां विभिन्न तरह का घाटा दिखाकर महंगी बिजली देती हैं। इसके अलावा बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं से एफपीपीएएस (फ्यूल एंड पॉवर पर्चेस एडजस्टमेंट सरचार्ज) के नाम पर भी हर साल अरबों रूपए की वसूली करती हैं। एक बार फिर से बिजली कंपनियों ने एफपीपीएएस वसूलने के लिए मप्र विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की है। इस पर आयोग ने सख्ती दिखाते हुए बिजली कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे उपभोक्ताओं के 376 करोड़ रूपए लौटाएं जो उन्होंने अधिक वसूली की है। जानकारी के अनुसार, बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं से एफपीपीएएस के नाम पर 2,137.35 करोड़ रुपए वसूलना चाहती हैं। इसको लेकर कंपनियों ने मप्र विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की थी। आयोग ने इस याचिका को खारिज कर दिया है। वहीं आयोग ने कंपनियों द्वारा 376 करोड़ की अधिक वसूली की सही ठहराया है। मप्र की बिजली कंपनियों और एमपीपीएमसीएल ने दावा किया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में उन्हें ईधन और बिजली खरीद की लागत में 3,225.85 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा, जबकि वे उपभोक्ताओं से सिर्फ 1,088.50 करोड़ रुपये ही एफपीपीएएस के रूप में वसूल पाई। इस आधार पर कंपनियों ने आयोग से 2137.35 करोड़ रुपये की और वसूली की अनुमति मांगी, लेकिन मप्र विद्युत नियामक आयोग ने कंपनियों का यह तर्क मानने से इंकार कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

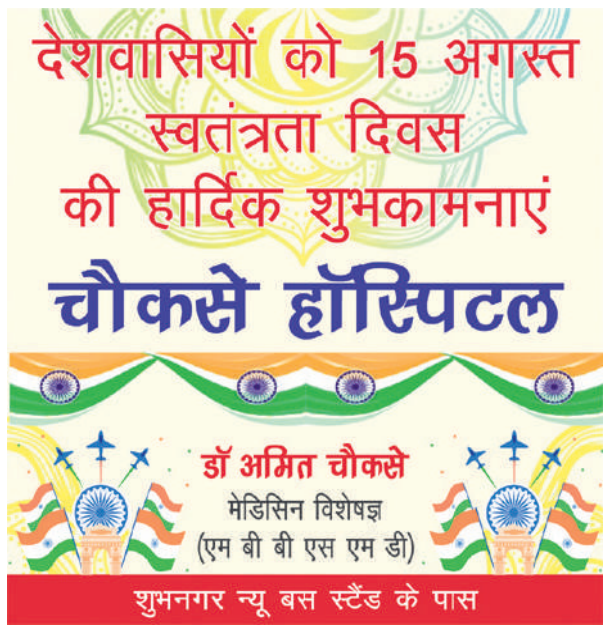

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। *संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048